Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000
9770888888

दैनिक
सकार भारत
रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 173 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, बुधवार 01 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

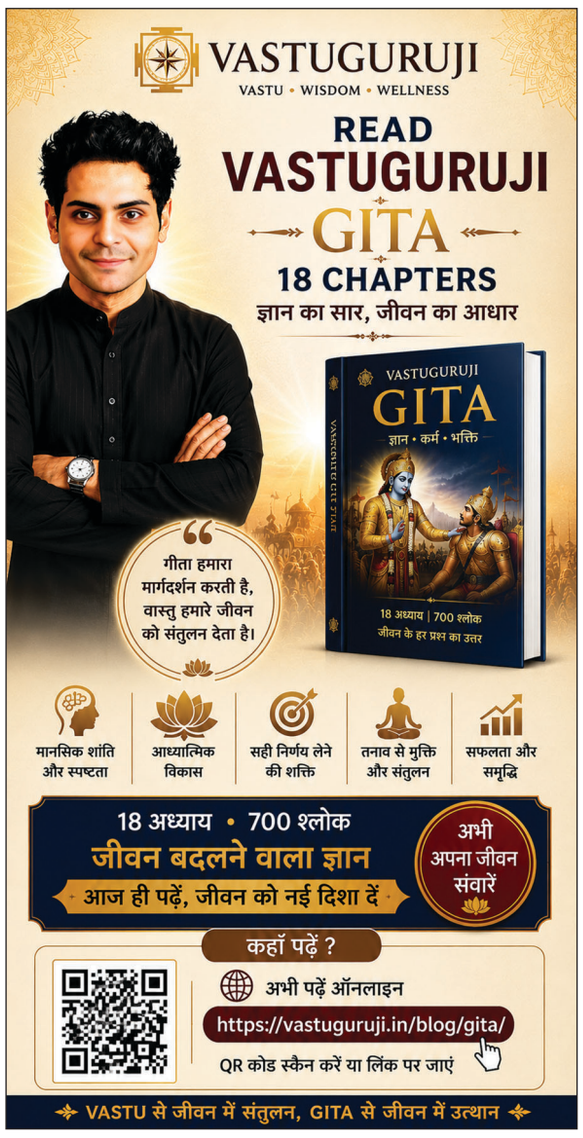

संत कबीर का संदेश आज भी समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सदुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है तथा 10 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सुरक्षा बलों के साहस और केंद्र सरकार के सहयोग से शांति एवं विकास का नया दौर शुरू हुआ है।

प्रधानमंत्री आवास की राशि लेकर निर्माण नहीं करने वालों पर होगी कार्यवाही

कांकेर। नगर पालिका परिषद कांकेर अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत राशि प्राप्त करने के बाद भी मकान निर्माण शुरू नहीं करने अथवा निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने वाले हितग्राहियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन मेरिया द्वारा दी गई है। ऐसे हितग्राहियों को चेतावनी जारी करते हुए उन्होंने जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने कहा गया है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री मेरिया ने बताया कि योजना के तहत कई हितग्राहियों को प्रथम एवं द्वितीय किस्त की राशि जारी की जा चुकी है, लेकिन अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है या निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। शासन के निर्देशानुसार सितंबर माह के बाद योजना के तहत किसी भी हितग्राही को अगली अथवा अंतिम किस्त की राशि जारी नहीं की जाएगी तथा इसके बाद योजना का खाता बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकारी राशि प्राप्त करने के बाद भी आवास निर्माण नहीं कराने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया जा सकता है। इसके साथ ही राजस्व विभाग के माध्यम से राशि की वसूली की जाएगी तथा आवश्यकता पड़ने पर भूमि एवं अन्य संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई भी की जाएगी।

सरकार बोली- पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाना एक एक्सपेरिमेंट

असर अगले साल पता चलेगा, सुप्रीम कोर्ट का मौजूदा सप्लाई पॉलिसी जारी रखने का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने की सरकार की श्व20 योजना पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा।

केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि E20 पॉलिसी में किसी बदलाव की योजना नहीं है। हालांकि, अलग-अलग कंपनियों को एथेनॉल का आवंटन मांग और उपलब्धता के आधार पर बढ़ाया या घटाया जा सकता है, इसलिए मौजूदा सप्लाई पॉलिसी फिलहाल जारी रहेगी।

वहीं सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है, जिसमें एक कंपनी के एथेनॉल सप्लाई पर पुनर्विचार कर उसे बढ़ाने की मांग पर फैसला लेने को कहा गया था। साथ ही कोर्ट ने इस मामले में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर नोटिस जारी किया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने BPCL, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को आदेश दिया कि वे VINP डिस्टिलरीज एंड शुगर्स की 2025-26 के लिए ज्यादा एथेनॉल आवंटन की मांग पर विचार करें।

कोर्ट ने कहा था कि सरकार की नीति के तहत बने ऐसे एथेनॉल प्लांट, जो सिर्फ ऑयल कंपनियों को एथेनॉल बेचते हैं, उन्हें लॉन्ग टर्म ऑफटेक एग्रीमेंट (खबह) के तहत मिलने वाली प्राथमिकता का लाभ मिलना चाहिए।

अटॉर्नी जनरल- यदि एक सप्लायर का कोटा बढ़ाया जाता है तो अन्य कंपनियां भी समान मांग लेकर अदालत पहुंच सकती हैं। इससे देशभर में ऐसे मामलों की बाढ़ आ सकती है और नेशनल पॉलिसी प्रभावित होगी। एथेनॉल सप्लाई के अनुबंध अक्टूबर 2025 में अंतिम रूप ले चुके हैं। 378 सप्लायर्स को कुल 1,050 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति का आवंटन किया गया था, जिनमें से 18 जून तक 680 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हो चुकी थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राज्यपाल रमेन डेका की सौजन्य भेंट

रायपुर । राज्यपाल रमेन डेका ने मंगलवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच औपचारिक मुलाकात हुई।

पशुपालन विभाग की ऋण योजना से बदली किसान की किस्मत

रायपुर। सरकार द्वारा पशुपालकों और किसानों की आय बढ़ाने के लिए चलाई जा रही है। इसके तहत गाय, भैंस, भेड़, बकरी, और मुर्गी पालन के लिए लोन और सब्सिडी प्रदान की जाती है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के भोपालपटनम विकासखंड के ग्राम उल्लूर के किसान सदाशिव कुरगुड़ इसकी प्रेरक मिसाल हैं। उन्होंने पशुधन विकास विभाग की किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेकर मुर्गी पालन शुरू किया और आज हर वर्ष लगभग 80 हजार रुपये का शुद्ध लाभ कमा रहे हैं।

सदाशिव खेती के साथ आय बढ़ाने के लिए अतिरिक्त रोजगार करना चाहते थे, लेकिन पर्याप्त पूंजी नहीं थी। इसी दौरान उन्हें पशुधन विकास विभाग की किसान क्रेडिट कार्ड योजना की जानकारी मिली। विभाग के मार्गदर्शन से उन्हें बैंक के माध्यम से 30 हजार रुपये का ऋण मिला।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के सर्वेक्षण के लिए राज्य शासन का बड़ा कदम

जगदलपुर। राज्य शासन द्वारा राज्य में विशेष आवश्यकता वाले इन बच्चों की सही पहचान, उनके प्रामाणिक सत्यापन और अद्यतन डेटा संकलन के लिए इस वृहद सर्वेक्षण अभियान की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसे पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा किया जाना है। उक्त परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने जिले में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के व्यापक सर्वेक्षण को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत इसे जिला स्तरीय समय सीमा बैठक के मुख्य एजेंडे में शामिल करने का निर्णय लिया गया है, ताकि प्रत्येक स्तर पर इसकी निरंतर समीक्षा की जा सके और कार्य में कोई शिथिलता न आए। इस पूरे अभियान की सफलता हेतु स्वास्थ्य विभाग, समाज कल्याण विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के आपसी तालमेल और मैदानी स्तर पर समन्वित पहल सुनिश्चित की जाएगी।

इस दिशा में कलेक्टर ने उक्त तीनों विभागों को उनकी विशिष्ट जिम्मेदारियां सौंपते हुए सकारात्मक प्रयास करने को कहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के मेडिकल आकलन के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों और मेडिकल बोर्ड की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ताकि दिव्यांगता प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

पांच गांवों में मनाया गया जल अर्पण दिवस, ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

जगदलपुर। बस्तर जिले के विकासखंड बकावंड अंतर्गत ग्राम जैतगिरी, सरगीपाल, गिरोला, डुरकाबेड़ा और बदलावंड में विगत दिवस जल अर्पण दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर जल संरक्षण एवं पानी बचाओ अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए डबरी एवं तालाब निर्माण करने तथा जल संसाधनों के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इनमें पेयजल स्रोतों के आसपास सोख्ता गड्ढों का निर्माण, घरों में उपयोग किए गए पानी का साग-सब्जी की बाड़ी में पुनः उपयोग तथा स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने जैसे कदम शामिल रहे। इस अवसर पर महिला जल वाहिनी की सदस्य महिलाओं ने जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर जोर दिया। वहीं ग्रामीणों के साथ मिलकर जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसके माध्यम से पानी बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संदेश दिया गया। इस मौके पर जल जीवन मिशन की आईईसी ज्योत्सना सूना ने ग्रामीणों को जल के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, शुद्ध पेयजल के महत्व को समझने, जल संसाधनों की सुरक्षा करने।

आधुनिक कृषि तकनीक एवं शासकीय योजनाओं की किसानों को दी जानकारी

कांकेर। कृषि विभाग की एक्सटेंशन रिफॉर्म्स आत्मा योजनांतर्गत भानुप्रतापपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत विनायकपुर में खरीफ किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा खरीफ फसल कार्ययोजना, बीज उत्पादन कार्यक्रम, बीजोपचार की विधि, शैलो नलकूप खनन, लैम्पसों में बीज एवं उर्वरक भंडारण-वितरण तथा डीएपी के स्थान पर 20:20:0:13 एवं 12:32:16 उर्वरकों के उपयोग, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, डॉ. खूबचंद बघेल पुरस्कार सहित कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी किसानों को दी गई। इसके साथ ही उन्नत कृषि तकनीकों, नई फसल किस्मों, जैविक खेती तथा खरीफ मौसम की प्रमुख फसलों की आधुनिक उत्पादन तकनीकों पर विस्तार से बताया गया। संगोष्ठी में किसानों के समक्ष 17 प्रतिशत नमक घोल उपचार का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र कांकेर के वस्तु विशेषज्ञ श्री उपेन्द्र कुमार नाग ने जैविक खेती एवं जैविक खाद के उपयोग और उसके लाभों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया।

बाल साहित्य और नई शिक्षा नीति को मिलेगा नया आयामः मंत्री केदार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज राजधानी रायपुर के वृंदावन भवन में आयोजित एक गरिमामय समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने साझा बाल काव्य संग्रह मोर अंगना के शोर का विमोचन किया और सभी संबंधित रचनाकारों व शिक्षकों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास शिक्षा, संस्कार और साहित्य के माध्यम से ही संभव है। बाल साहित्य हमारी नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखने का काम करता है।

मंत्री कश्यप ने पुस्तक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोर अंगना के शोर केवल कविताओं का संग्रह नहीं है, बल्कि यह बच्चों की कल्पनाशीलता, संवेदनशीलता, नैतिक मूल्यों और भाषा कौशल को विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है। यह अभिनव प्रयास नई शिक्षा नीति और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान उद्देश्यों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा।

तकनीक और साहित्य का अनूठा संगमर- क्यूआर कोड आधारित नवाचारः इस बाल काव्य संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसमें शामिल तकनीकी नवाचार है। पुस्तक में प्रत्येक कविता के साथ एक क्यूआर कोड जोड़ा गया है। इस पहल की सराहना करते हुए वन मंत्री ने कहा कि इससे बच्चे केवल कविताओं को पढ़ेंगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सुनकर भी सीख सकेंगे। यह साहित्य और तकनीक का एक बेहतरीन समन्वय है जो शिक्षा को अधिक रोचक, सरल और समावेशी बनाएगा। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि यह अनूठी पहल दिव्यांग बच्चों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जिससे वे भी समान रूप से सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे।

मंत्री कश्यप ने पुस्तक के संपादक वीरेंद्र कुमार साहू, सभी लेखकों, शिक्षकों एवं सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा, साहित्य और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब राष्ट्र निर्माण की दिशा और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि श्मोर अंगना के शोरश् छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में बाल साहित्य के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी उदाहरण बनेगी।

इस विमोचन एवं सम्मान समारोह में स्थानीय विधायक एवं पद्मश्री अनुज शर्मा, अमित चिमलानी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में साहित्यकार, रचनाकार और शिक्षक गण उपस्थित रहे।

सिमगा में सर्व आदिवासी समाज ने श्रद्धा एवं गौरव के साथ मनाया वीरांगना रानी दुर्गावती बलिदान दिवस

सिमगा । नगर में सर्व आदिवासी समाज द्वारा महान वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रानी दुर्गावती के चित्र पर पूजा-अर्चना एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित समाजजनों ने वीरांगना के अदम्य साहस, त्याग, स्वाभिमान तथा मातृभूमि के प्रति उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आदिवासी समाज के कलाकारों द्वारा पारंपरिक सुवा नृत्य एवं कर्मा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिसने उपस्थित जनसमुदाय को आदिवासी संस्कृति की समृद्ध विरासत से रूबरू कराया। समाज के सदस्यों ने पारंपरिक वेशभूषा में अपनी सांस्कृतिक पहचान का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम स्थल आदिवासी समुदाय के आराध्य देव जय बुढ़ा देव के जयघोष एवं सांस्कृतिक झलकियों से गुंजायमान रहा।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वीरांगना रानी दुर्गावती का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष, आत्मसम्मान की रक्षा, मातृभूमि के प्रति समर्पण और अदम्य साहस का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्श आज भी समाज एवं राष्ट्र को प्रेरणा प्रदान करते हैं। उपस्थित सभी लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने तथा समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, युवा, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

पारंपरिक लोकनृत्यों ने आदिवासी समाज की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और वीर विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। और साथ ही साथ समाज की कुछ मांग थी जो नगर पालिका अध्यक्ष के सुपुत्र करन भाटिया ने आश्वासन दिया कि आप के जो भी मांगे हैं आप के समाज की वो मै पूरा करूंगा ,जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सादर आमंत्रित थे नगर पालिका अध्यक्ष लेकिन किसी कारणवश वह नहीं पंहुच सके जिसमें उनके सुपुत्र, करन भाटिया उनकी जगह शामिल हुए एवं उनके साथ थे पार्षद प्रियंका अनुप तिवारी एवं शंकर लाल मराई,

इस अवसर पर आदिवासी समाज के अध्यक्ष मनीराम धुव्र, उपाध्यक्ष केशोराम धुव्र, प्रदेश सह सचिव कृष्णा कुंजाम, सचिव खेमराज सोरी, कोषाध्यक्ष पवन कुमार धुव्र, महामंत्री विषम्भर धुव्र, दीवान छेदूराम छैदया, रामकुमार धुव्र, परस धुव्र, डोमार धुव्र, युवराज धुव्र सहित समाज के वरिष्ठजन, युवा, मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

पाली में विधायक तुलेश्वर सिंह ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद

कोरबा-पाली । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को पाली ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं विभिन्न पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान की शुरुआत विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर की। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय जायसवाल ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दो बूंद जरूर पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस गंभीर बीमारी से प्रभावित न हो।

पीआईसी सदस्य स्वास्थ्य विभाग श्रीमती दीप्ति दीपक शर्मा ने बताया कि पाली ब्लॉक में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सभी बच्चों तक पहुंचने के लिए बूथ, मोबाइल एवं ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है। इसके बावजूद यदि कोई बच्चा छूट जाता है तो 29 और 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर पोलियो की दवा पिलाएंगी।

खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डॉ. अनिल सराफ ने कहा कि पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नियमित रूप से पोलियो की खुराक देना आवश्यक है, जिससे भविष्य में पोलियो के दुष्प्रभाव से बचाव सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष लखन प्रजापति, विधायक प्रतिनिधि कुलदीप सिंह मरकाम, पत्रकार कमल वैष्णव, पार्षद प्रतिनिधि दीपक शर्मा, अर्चना स्रोते, प्रभात तिवारी, चंद्रकुमारी पोर्ते, ज्ञानचंद कश्यप, पूर्णिमा साहू, नीलिमा डिक्सेना सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

'नारी राग-रंग महोत्सव' में महिलाओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

कोरबा । साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के कोरबा क्षेत्र स्थित सेंट्रल वर्कशॉप के आकृति महिला मंडल द्वारा दो दिवसीय 'नारी राग-रंग महोत्सव' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला मंडल की अध्यक्ष नम्रता द्विवेदी ने किया। महोत्सव के दौरान महिलाओं के लिए गायन, वादन, नृत्य, मेहंदी और चित्रकला सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपनी कला एवं प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर अध्यक्ष नम्रता द्विवेदी ने कहा कि महिलाओं को घरेलू एवं कार्यस्थल की जिम्मेदारियों के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों से भी जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। ऐसे आयोजन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सीमा राय, श्रद्धा गुप्ता, अर्चना दुबे सहित आकृति महिला मंडल की अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। महोत्सव का समापन प्रतिभागियों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन और सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ हुआ।

सहकारिता सप्ताह में 6 जुलाई तक होंगे विविध कार्यक्रम

सारंगढ़-बिलाईगढ़, । राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारी सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। आगामी दिनों में जिले के प्राथमिक समितियों में विभिन्न गतिविधियों का संचालन कराने एवं कार्यक्रम किये जायेंगे, जिसमें 30 जून को जिला सहकारी विकास समिति की बैठक का आयोजन और सदस्यों की आय बढ़ाने में एफपीओ एवं समितियों की भूमिका पर परिचर्चा होगी। इसी प्रकार 1 जुलाई को इफको एवं कृभकों द्वारा ड्रोन से तरल उर्वरक छिड़काव का प्रदर्शन, कृषक संगोष्ठी, मृदा स्वास्थ्य पर परिचर्चा, 02 जुलाई को संबंधित विकासखण्ड के कृषकों को विकासखण्ड से संबंधित मॉडल समिति का भ्रमण, सभी लैम्प्स एवं सहकारी समितियों में माईक्रो एटीएम, केसीसी कार्ड एवं रुपये केसीसी कार्ड वितरण, 03 जुलाई को वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान, छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ द्वारा प्रकाशित पाक्षिक सहकारी समाचार पत्र का प्रचार प्रसार 4 जुलाई को समिति द्वारा संचालित जनऔषधी केन्द्रों में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 5 जुलाई को सहकारिता ।

पी.एम. सेजेस डौंडीलोहारा के विद्यार्थियों ने NMMSE 2026 परीक्षा में लहराया परचम

बालोद । पी.एम. सेजेस डौंडीलोहारा के लिए हर्ष एवं गौरव का विषय है कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यालय के तीन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों साक्षी अमांदिया , काव्य देवांगन एवं गोकुल राम का चयन राष्ट्रीय सह - साधन एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में हुआ है।

इस सफलता के पीछे विद्यार्थियों की लगन, मेहनत एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। परीक्षा की तैयारी हेतु विद्यार्थियों को विषयवार विशेष अभ्यास, मॉडल प्रश्न-पत्रों का समाधान, नियमित परीक्षण तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप विद्यार्थियों ने यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त की। विद्यालय परिवार की ओर से चयनित विद्यार्थियों को उनकी इस सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की गईं। साथ ही विद्यार्थियों के मार्गदर्शक शिक्षकों श्री सितेश सर (विज्ञान), अरुण सर (गणित एवं सामाजिक विज्ञान) तथा पटेल सर (हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत एवं रीजनिंग) के समर्पित प्रयासों एवं उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य रोहणी नायक ,एच एम विभा चंद्राकर मिडिल, एच एम अभिषेक शुक्ला प्राथमिक एवं समस्त शिक्षकगण एवं शाला परिवार ने चयनित विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा विश्वास व्यक्त किया है कि वे आगे भी विद्यालय, क्षेत्र एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगे।

भाजपा नेता पर हमले के मुख्य आरोपी रज्जाक अली के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

कोरबा । भाजपा नेता शिव बालक सिंह तोमर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में जिला प्रशासन ने रविवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी एवं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष रज्जाक अली के सीतामणी स्थित कथित अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। राजस्व विभाग, नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह कार्रवाई की।

गौरतलब है कि 15 जून की शाम सिविल लाइन थाना क्षेत्र में भाजपा नेता शिव बालक सिंह तोमर पर रज्जाक अली और उसके दो साथियों द्वारा रॉड व लाठी-डंडों से हमला किया गया था। इस हमले में तोमर के हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुआ था और उनका उपचार स्थानीय अस्पताल में कराया गया। वे अभी भी स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। घटना के बाद सिविल लाइन पुलिस ने रज्जाक अली सहित तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान आरोपी के निर्माण संबंधी दस्तावेजों की भी पड़ताल की गई। प्रशासन के अनुसार निर्माण नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित पक्ष को नियमानुसार नोटिस जारी किया गया। वैधानिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद रविवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर पूरे अभियान की निगरानी करते रहे। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई पूरी तरह वैधानिक प्रक्रिया और उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में किसी भी व्यक्ति को राहत नहीं दी जाएगी तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर बिना किसी भेदभाव के आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस वर्ष की दूसरी बड़ी कार्रवाई गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध प्रशासन का यह इस वर्ष का दूसरा बड़ा अभियान माना जा रहा है। इससे पहले लगभग तीन महीने पूर्व सीएसईबी रशियन हॉस्टल के पास लोहे के नहर पुल की चोरी के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी कबाड़ी मुकेश साहू के रातीखार स्थित मकान और यार्ड पर भी प्रशासन ने बुलडोजर कार्रवाई की थी।

एचटीपीएस कोरबा पश्चिम में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान, 191 बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

कोरबा। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर एचटीपीएस कोरबा पश्चिम स्थित सीएसईबी चिकित्सालय एवं कॉलोनी क्षेत्र में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का शुभारंभ मुख्य अभियंता एच.के. सिंह एवं संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रूक्मणी सिंह ने बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाकर किया। अभियान के दौरान सीएसईबी चिकित्सालय, कॉलोनी के शॉपिंग सेंटर तथा मोबाइल यूनिट के माध्यम से कुल 191 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस अवसर पर मुख्य अभियंता एच.के. सिंह ने अभिभावकों से अपने सभी बच्चों को समय पर पोलियो की दवा अवश्य पिलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पल्स पोलियो उन्मूलन भारत सरकार का महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान है और जनसहभागिता से ही इसे पूर्ण सफलता मिल सकती है। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता एम.के. गुप्ता ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती अभिलाषा गुप्ता के साथ बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर अभियान में सहभागिता निभाई। अभियान का समन्वय अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एम.आर. स्नेही के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. श्वेतांबरी महंता, डॉ. रेणु कौशिक, डॉ. प्रीति पूनम कुजूर, डॉ. प्रवीण कुमार पटेल एवं चिकित्साधिकारी डॉ. किशन निर्मलकर सहित चिकित्सालय का समस्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।

ग्रामीण अंचल सहित समस्त जिले मे पिलाई गई दो बूंद जिंदगी

सारंगढ़ । राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को जिले भर में बच्चों को पोलियो की जीवन रक्षक खुराक पिलाई गई । कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के कुशल मार्गदर्शन और सीएमएचओ डॉ. पुष्पेन्द्र वैष्णव की सतत निगरानी एवं प्रभावी रणनीति का सकारात्मक परिणाम पूरे जिले में देखने को मिला। अभियान के दौरान ग्रापं फर्सवानी, सिंगारपुर, घोटला बड़े, अमझर, मल्दा (ब) सहित पूरे क्षेत्र में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाकर उन्हें पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित करने का संकल्प दोहराया गया। अभियान के दौरान जिले के सभी पोलियो बूथों और आंगनबाड़ी केंद्रों में सुबह से ही पालकों की भीड़ उमड़ पड़ी । बड़ी संख्या में पालक अपने नौनिहालों को लेकर पहुंचे और बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं मितानिनों ने घर-घर पहुंचकर प्रत्येक पात्र बच्चे तक अभियान का लाभ पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया। ग्रामीणों ने भी पूरे उत्साह के साथ सहयोग करते हुए पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत किया। कलेक्टर पद्मिनी साहू के प्रभावी नेतृत्व, सीएम एच ओ डॉ. पुष्पेन्द्र वैष्णव की सक्रिय मॉनिटरिंग, सुनियोजित कार्ययोजना और स्वास्थ्य अमले की अथक मेहनत को दिया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव-गांव पहुंचकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी पात्र बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे।

ओवरब्रिज के नीचे सो रहे हमाल की डंडे से पीट-पीटकर हत्या, आरोपी फरार

कोरबा । शहर के व्यस्त ओवरब्रिज रेलवे क्रॉसिंग के नीचे सोमवार दोपहर एक हमाल की हत्या से सनसनी फैल गई। चबूतरे पर सो रहे व्यक्ति के सिर पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी निर्मम हत्या कर दी गई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी एम.बी. पटेल पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राजेश महाराज के रूप में हुई है। वह हमाली का काम करता था और खानाबदोश जीवन व्यतीत करता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सोमवार सुबह राजेश का उसके साथ रहने वाले एक अन्य हमाल से किसी बात को लेकर विवाद और मारपीट हुई थी। स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत करा दिया था।

दोपहर में राजेश ओवरब्रिज के नीचे बने चबूतरे पर सो रहा था। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और डंडे से उसके सिर पर कई वार कर दिए। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। प्रारंभिक तौर पर हत्या की वजह सुबह हुआ विवाद माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु प्रतिभाशाली बच्चों से 31 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़ । बच्चों की असाधारण प्रतिभा और उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रतिवर्ष भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी। 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए वीरता, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला एवं संस्कृति तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसी श्रेणियों में उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता दी जाएगी। इच्छुक बच्चे, अभिभावक, संस्थाएं अथवा अन्य व्यक्ति योग्य बच्चों का नामांकन कर सकते हैं। स्व-नामांकन की सुविधा भी उपलब्ध है। सभी आवेदन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे।

पशु मोबाइल मेडिकल एम्बुलेंस घर पहुंच सेवा प्रदान करेगा

सारंगढ़ बिलाईगढ़, पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित और छत्तीसगढ़ सरकार के पशुधन विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों में मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई संचालित है, जिसके लिए हेल्पलाइन 1962 डायल करके पशु चिकित्सा के लिए अपना जानकारी दे सकते हैं। इसके बाद पशुधन मालिक के दरवाजे पर 1962 वाहन डॉक्टर सहित समय पर उपचार प्रदान करेगा।

1962 डायल के बाद जांच प्रक्रिया: जब दिन के किसी भी समय 1962 आपातकालीन सेवा केंद्र पर पशुधन मालिक से इमरजेंसी कॉल प्राप्त होता है, तो पूछकर बेसिक जानकारी प्राप्त किया जाता है और कॉल करने वाले को उनके निकटतम सरकारी मोबाइल पशु चिकित्सा क्लिनिक/एम्बुलेंस, अस्पताल तक जानकारी प्रसारित की जाती है। कॉल सेंटर में पशु चिकित्सक आपातकाल के प्रकार का पता लगाता है और या तो ऑनलाइन मेडिकल डायरेक्शन (ओएलएमडी) प्रदान करता है या एम्बुलेंस भेजता है। पशु चिकित्सक के साथ एम्बुलेंस पशुपालक के दरवाजे तक पहुंचती है, बीमार मवेशियों की स्थिति का आकलन करती है और मौके पर ही उपचार प्रदान करती है। इस 1962 सुविधा के लिए राज्य शासन से कई कंपनी ने आपात सेवा देने के लिए अनुबंध किया है, जिसके तहत वे निरंतर काम कर रहे हैं।

108 कलशों के पवित्र जल से महाप्रभु का दिव्य स्नान, गरियाबंद में देव स्नान पूर्णिमा पर गूंजे जय जगन्नाथ के जयकारे

गरियाबंद। आस्था, श्रद्धा और सनातन परंपरा का अद्भुत संगम सोमवार को गरियाबंद में देखने को मिला। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर देव स्नान पूर्णिमा के तहत श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल द्वारा सिविल लाइन स्थित रामजानकी मंदिर में भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की पारंपरिक स्नान यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, मृदंग और अन्य वाद्य यंत्रों की मंगल ध्वनि के बीच महाप्रभु को 108 पवित्र कलशों के जल से शाही स्नान कराया गया। पूरे मंदिर परिसर में 'जय जगन्नाथ' के जयघोष गूंजते रहे और भक्तों ने भाव-विभोर होकर इस दिव्य अनुष्ठान के दर्शन किए।

देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर भगवान के विग्रहों को रत्न सिंहासन से सम्मानपूर्वक स्नान मंडप तक लाया गया। यहां वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार 108 कलशों के पवित्र जल से भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा का महाअभिषेक किया गया। यह रथयात्रा से पूर्व वह विशेष अवसर होता है, जब भक्त महाप्रभु के दिव्य स्वरूप के साक्षात दर्शन करते हैं।

महाअभिषेक के पश्चात भगवान को सादे वस्त्र धारण कराए गए और नित्य भोग अर्पित किया गया। विश्राम के बाद महाप्रभु ने भक्तों को गजानन वेश में दर्शन दिए। संध्या आरती के उपरांत भगवान अणसर भवन के लिए प्रस्थान करेंगे। धार्मिक मान्यता के अनुसार अधिक स्नान के कारण भगवान अस्वस्थ हो जाते हैं और कुछ दिनों तक अणसर में स्वास्थ्य लाभ करते हैं। इस दौरान मंदिर में उनके दर्शन नहीं होते। रथयात्रा से एक दिन पूर्व आयोजित नेत्र उत्सव में भगवान नवयौवन स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे, जिसके बाद भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी।

इस वर्ष 16 जुलाई को रामजानकी मंदिर से निकलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। रथयात्रा के दौरान भव्य झांकियां, छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, लोकनृत्य, लोकगीत तथा विभिन्न राज्यों से आने वाले कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियां श्रद्धालुओं को आकर्षित करेंगी। आयोजन को लेकर शहर में अभी से उत्साह का माहौल है और तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच रही हैं। श्री जगन्नाथ परिवार युवा बल के सैकड़ों सदस्य आयोजन की तैयारियों में लगातार जुटे हुए हैं। समिति के सदस्य कृष्ण कश्यप ने बताया कि हर वर्ष रथयात्रा को नए और भव्य स्वरूप में आयोजित करने का प्रयास किया जाता है। इस बार करीब 12 आकर्षक झांकियां, धमाल, लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां लोगों के लिए विशेष आकर्षण होंगी। महाप्रभु के लिए विशाल रथ का निर्माण भी लगभग पूरा हो चुका है और समिति आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में पूरी निष्ठा से जुटी हुई है।

बस्तर में जनसेवा का नया अध्यायः सोनू सूद और माँ मातंगी दिव्य धाम मिलकर बढ़ाएंगे सेवा कार्य

धमतरी । प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता एवं समाजसेवी सोनू सूद और माँ मातंगी दिव्य धाम जी जामगांव के पूज्य पीठाधीश्वर डॉ. प्रेमासाई महाराज जी के बीच आत्मीय भेंट एवं सार्थक संवाद हुआ। इस दौरान समाजसेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, गौसंरक्षण तथा विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. प्रेमासाई महाराज ने सोनू सूद को आशीर्वाद प्रदान किया तथा छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर उनका अभिनंदन किया। साथ ही उन्हें माँ मातंगी दिव्य धाम में आयोजित होने वाले माँ कोत्रवै प्रतिमा स्थापना एवं प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होकर माता का आशीर्वाद ग्रहण करने का स्नेहपूर्वक आमंत्रण दिया। सोनू सूद जी ने इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया। संवाद के दौरान डॉ. प्रेमासाई महाराज ने सोनू सूद के नेतृत्व में सूद चैरिटी फाउंडेशन द्वारा देशभर में किए जा रहे मानवसेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने माँ मातंगी दिव्य धाम द्वारा संचालित जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि धाम के माध्यम से बस्तर सहित विभिन्न क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सहायता, अस्थमा के निःशुल्क उपचार सहित आध्यात्मिक स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक सहयोग, गौसंरक्षण, आईटीबीपी जवानों के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन तथा जनसेवा के अनेक कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। डॉ. प्रेमासाई महाराज ने यह भी बताया कि आगामी समय में माँ मातंगी शिक्षा रत्न सम्मान प्रारंभ करने के साथ धाम में आने वाले बच्चों के लिए नैतिक शिक्षा एवं संस्कार की एक घंटे की कक्षाएं प्रारंभ करने की योजना है, जिससे बच्चों में शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और सेवा भाव का विकास हो सके। बस्तर क्षेत्र में जनसेवा कार्यों के विस्तार को लेकर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक चर्चा हुई।

किराना दुकान में हुई चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भैयाथान । पुलिस चौकी बसदेई, थाना सूरजपुर द्वारा चोरी के प्रकरण में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार प्रार्थी रहमत उल्ला उर्फ जरीफ उल्ला निवासी ग्राम सोनपुर, चौकी बसदेई द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि उनके छोटे भाई अशराफ उल्ला की किराना दुकान में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोर दुकान से नगदी सहित विभिन्न सामान लेकर फरार हो गए थे। चोरी हुए सामानों की कुल कीमत लगभग 64 हजार रुपये बताई गई थी। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 276/2026 धारा 305(क), 331(4), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा संदेहियों से पूछताछ एवं साक्ष्यों के आधार पर आरोपी भीम सिंह पिता हरिश्चंद्र सिंह उम्र 37 वर्ष निवासी भंवराही, चौकी बसदेई, थाना सूरजपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपी से चोरी की घटना के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होने पर पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया। आरोपी को बीते सोमवार को दोपहर 1:40 बजे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस द्वारा मामले में संलिप्त अन्य आरोपियों की तलाश एवं चोरी किए गए माल की बरामदगी के लिए विवेचना जारी है।

अवैध महुआ शराब के साथ एक व्यक्ति को किया गया गिरफ्तार

लवन । समाधान सेल में प्राप्त सूचना के आधार पर थाना लवन की पुलिस टीम द्वारा ग्राम अहिल्दा में नहर पुलिया के पास घेराबंदी कर अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले आरोपी माधव बंदे उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम अहिल्दा को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी शराब कोचिया से 7000 कीमत मूल्य का 35 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना लवन में धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश करने के उपरांत जेल भेज दिया गया है।

सोमनी स्कूल में विद्यालय प्रबंधन समिति गठित, नरोत्तमदास बंजारे अध्यक्ष बने

राजनांदगांव । छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सोमनी में पालक बैठक का आयोजन किया गया। संस्था की प्राचार्य सविता अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शासन के निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया गया कि अब प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति का उद्देश्य विद्यालय के विकास में पालकों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा विद्यालय विकास योजना, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं की सतत निगरानी करना है। शासन के निर्देशानुसार समिति में पालकों की प्रमुख भागीदारी, महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व तथा प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष पद पर नरोत्तमदास बंजारे तथा उपाध्यक्ष पद पर अनिता साहू का चयन किया गया। संस्था की प्राचार्य सविता अवस्थी पदेन सचिव रहेंगी। समिति में शिक्षाविद् के रूप में योगेन्द्र प्रताप सिंह, मितानिन के रूप में मंजू पटेल, शिक्षक सदस्य के रूप में सुनील भागवत, ईश्वरी कोर्राम, निर्मला राजपूत एवं जीडी गुरु को शामिल किया गया।

इसी प्रकार पालक सदस्यों के रूप में सुखदेव साहू, योगेश्वरी वर्मा, अन्नु जोशी (ककरेल), लोकेश खांडे, भीखम मार्कण्डे, गजेन्द्र बंजारे, धनराज साहू, संगीता बंजारे, लक्ष्मी सोनी, तिजुराम चक्रधारी (ठेकवा), अशोक साहू (खुटेरी), मिथिला सीवारे (परमलकसा) एवं कामीन कोसरे (खुटेरी) का चयन सर्वसम्मति से किया गया।

डिडोलभांठा में भाजपा की संगठनात्मक बैठक संपन्न, अशोक कश्यप बने बूथ अध्यक्ष

कोरबा । भारतीय जनता पार्टी मंडल हरदीबाजार के अंतर्गत शक्तिकेंद्र धतुरा के नवीन बूथ क्रमांक 257 डिडोलभांठा में रविवार को संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मंडल अध्यक्ष कृष्णा पटेल के नेतृत्व तथा मुख्य वक्ता एवं जिला मंत्री अजय कुमार दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद जगदीश कश्यप ने राजगीत प्रस्तुत कर राष्ट्रभक्ति का वातावरण निर्मित किया।

बैठक में शक्तिकेंद्र प्रभारी पंकज ध्रुवा ने नवीन बूथ कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत किया। सर्वसम्मति से अशोक कश्यप को बूथ क्रमांक 257 डिडोलभांठा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर दुर्गेश कश्यप ने नवीन बूथ गठन की आवश्यकता, संगठन की मजबूती तथा बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता मिरिद लाल कश्यप ने की। मुख्य वक्ता अजय कुमार दुबे ने भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यप्रणाली तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री अमरनाथ कौशिक ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन किसान मोर्चा के महामंत्री शांतिलाल धोवर ने किया।

बैठक में बजरंग यादव, शिव मरकाम, प्रभाकर कौशिक, ज्ञानेंद्र कौशिक, कुंजराम केंवट, संतोष कश्यप, छत्रपाल कंवर, गंगाराम नेताम, गंगादिल, अनुसुईया प्रसाद, जीवराखन कश्यप, दिलहरण कश्यप, श्रीमती गोमती बाई, हरनारायण सहित मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन भारत माता की भव्य आरती एवं भारत माता की जय के उद्घोष के साथ हुआ।

पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय डौंडी लोहारा में मनाया शाला प्रवेश उत्सव

बालोद । पीएम स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय डौंडी लोहारा में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माया जयेश ठाकुर एवं विशेष अतिथि सरोज पटेल, शिवानी भंसाली (पार्षद) उपस्थित रहे अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा अर्चना किया गया बच्चों ने अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत सरस्वती वंदना, सामूहिक नृत्य प्रेरणा गीत प्रस्तुत किया अतिथियों ने नवप्रवेशित बच्चों को तिलक लगाकर, मुह मीठा कर पुस्तक प्रदान किया गया । इस अवसर मुख्य अतिथि माया जयेश ठाकुर ने कहा कि सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत और अपने माता-पिता गुरुजनों का नाम रोशन करने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। संस्था के प्रभारी प्राचार्य मती रोहणी नायक द्वारा शाला प्रवेश उत्सव का महत्व बताते हुए नवप्रवेशी बच्चो को शुभकामनाएं प्रेषित किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन एस. एस. जामवन्ते व्याख्याता द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन दीपशिखा हिरवानी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त स्टॉफ का सराहनीय योगदान रहा।

किरंदुल में देव स्नान पूर्णिमा का भव्य आयोजन,108 कलशों से हुआ महाप्रभु जगन्नाथ,बलभद्र एवम देवी सुभद्रा का जलाभिषेक

किरंदुल । लौहनगरी किरंदुल के श्री जगन्नाथ मंदिर में 29 जून सोमवार को देव स्नान पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और विधि-विधान से मनाया गया।रथ यात्रा से पूर्व होने वाले इस प्रमुख अनुष्ठान में भगवान जगन्नाथ,बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक स्नान संपन्न हुआ।मंदिर समिति अध्यक्ष आर सी नाहक ने बताया कि वैदिक मंत्रों के बीच सबसे पहले पंचामृत से स्नान कराया गया,इसके बाद 108 पवित्र कलशों के जल से महाप्रभु का अभिषेक किया गया।स्नान के पश्चात भगवान को शीतल वस्त्र पहनाकर विशेष श्रृंगार किया गया और भक्तों ने दर्शन लाभ लिया।इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर भजन-कीर्तन से गूंज उठा।श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण और सामूहिक पूजा का भी आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में नगरवासी इस भक्ति अनुष्ठान में शामिल हुए।देव स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान 15 दिनों के लिए अनवस्था काल में विश्राम करते हैं। 16 जुलाई को होने वाली रथ यात्रा के दिन महाप्रभु स्वस्थ होकर नवविग्रह स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकलेंगे।यह स्नान उत्सव रथ यात्रा की तैयारियों का पहला चरण माना जाता हैं।

सक्ती नगर पालिका में एल्डरमैन नियुक्ति को लेकर सियासी सरगर्मी तेज

सकती । प्रदेश के कई जिलों में भाजपा सरकार द्वारा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों में एल्डरमैनों की नियुक्ति की घोषणा किए जाने के बाद अब सक्ती नगर पालिका में भी एल्डरमैन नियुक्ति को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। हालांकि, सक्ती जिले में अब तक एल्डरमैन के नामों पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं और आमजन के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर जी हजूरी करने वालों की चर्चा जोरो पर है..। वही प्रदेश के कुछ जिलों में विपक्ष ने पैसा लेकर एल्डरमैन नियुक्त करने का भी आरोप लगाया है,तो भाजपा ने इस को एक सिरे से खारिज कर दिया है । राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सक्ती जिले में नेताओं के बीच गुटबाजी और आपसी खींचतान के कारण एल्डरमैन के नामों पर सहमति नहीं बन पा रही है। वहीं, भाजपा के पुराने एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं के साथ-साथ वर्षों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े कार्यकर्ताओं की अनदेखी किए जाने की चर्चाएं भी जोर पकड़ रही हैं। नगर में यह चर्चा आम है कि पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर कुछ नेताओं के करीबी लोगों को एल्डरमैन बनाए जाने की तैयारी चल रही है। यदि ऐसा होता है तो लंबे समय से संगठन के लिए कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ सकती है। भाजपा संगठन हमेशा कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। ऐसे में अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि पार्टी संगठन जनता और कार्यकर्ताओं के बीच चल रही चर्चाओं को विराम देते हुए पुराने, निष्ठावान और कर्मठ कार्यकर्ताओं को अवसर देता है या फिर नेताओं के पसंदीदा चेहरों पर भरोसा जताता है। फिलहाल एल्डरमैन नियुक्ति को लेकर तस्वीर साफ नहीं हो सकी है, लेकिन आने वाले दिनों में होने वाली घोषणा से यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता के बीच चल रही चर्चाएं कितनी सही साबित होती हैं। नगर निगम या नगर पालिकाओं में दो तरह के पार्षद होते हैं। सामान्य तौर पर पार्षद मतदाताओं द्वारा सामान्य मतदान प्रणाली से चुने जाते हैं। इन्हें हर माह एक निश्चित मानदेय मिलता है । अपने वार्ड में विकास कार्य करने के लिए अलग से फंड भी मिलता है ।

वे होते हैं जिन्हें सरकार एक निश्चित अनुपात में पार्षद (एल्डरमैन) मनोनीत कर सकती है। सिद्धांत के तौर पर ऐसा व्यक्ति कला, साहित्य, विज्ञान, लोक सेवा, खेल अथवा तकनीकी क्षेत्र का विशेषज्ञ होना चाहिए। देखना होगा शक्ति के मनोनीत एल्डरमैन को किस क्षेत्र में महारत हासिल है। लेकिन सामान्य तौर पर यहां राजनीतिक लाभ-हानि की दृष्टि से नियुक्तियां होती हैं ।

हत्या एवं लूट की सनसनीखेज वारदात का 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार

धमतरी । थाना नगरी क्षेत्र में घटित हत्या एवं लूट की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक खुलासा कर एक बार फिर अपनी त्वरित एवं प्रभावी कार्यशैली का परिचय दिया है। पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार ने घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए तत्काल विशेष जांच टीमों के गठन के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी नगरी, थाना प्रभारी नगरी एवं साइबर थाना की संयुक्त टीमों ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर सूचना एवं वैज्ञानिक विवेचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करते हुए पूरे घटनाक्रम का पर्दाफाश किया। कार्यवाही के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि दो विधि से संघर्षरत बालकों की संलिप्तता भी उजागर हुई। विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि मृतक विप्लव मंडल, जो निजी फिश फार्म का संचालन करता था, उसके यहां आरोपी मजदूरी करते थे। मजदूरी बढ़ाने की मांग पूरी नहीं होने तथा मृतक द्वारा लगातार अपमानजनक व्यवहार एवं गाली-गलौज किए जाने से आरोपी लंबे समय से रंजिश रखने लगे थे। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने 25 जून 2026 को हत्या की योजना बनाई थी, किन्तु परिस्थितिवश उसे अंजाम नहीं दे सके। इसके बाद उन्होंने पुनः सुनियोजित षड्यंत्र रचते हुए 27 जून 2026 को हत्या एवं लूट की वारदात को अंजाम देने का निर्णय लिया। पूर्व योजना के अनुसार आरोपियों ने मृतक की गतिविधियों पर नजर रखी और उसके नगरी बाजार से मछली बिक्री कर लौटने की जानकारी मिलते ही गोरेगांव-भैंसमुड़ा मार्ग के सुनसान जंगल क्षेत्र में घात लगाकर बैठ गए।

ऐसी मूर्खता न करें, जिससे भगवान से भरोसा उठ जाए

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

मनुष्य के जीवन में विश्वास सबसे बड़ी शक्ति है और जब यह विश्वास भगवान के प्रति होता है, तब जीवन की अनेक कठिनाइयाँ सरल प्रतीत होने लगती हैं। शास्त्रों में कहा गया है कि ईश्वर की कृपा सभी प्राणियों पर समान रूप से बरसती है, लेकिन उसका लाभ वही व्यक्ति प्राप्त कर पाता है, जिसके भीतर अटूट श्रद्धा और सच्चा विश्वास होता है। कई बार हमारी अपनी मूर्खता, अहंकार और संशय हमें उस कृपा से दूर कर देते हैं।

गरुड़ पुराण और रामकथा के प्रसंगों में काकभुशुंडि जी गरुड़ जी से कहते हैं— 'राम कृपा आपनि जड़ताई, कहउँ खगेस सुनहु मन लाई।' अर्थात हे गरुड़ जी! मैं आपको श्रीराम की कृपा और अपनी मूर्खता की कथा सुनाता हूँ, इसलिए मन लगाकर सुनिए। यह संदेश केवल एक कथा नहीं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य है कि जब तक मन एकाग्र नहीं होगा, तब तक आध्यात्मिक ज्ञान और ईश्वर की अनुभूति संभव नहीं है।

परमात्मा से जुड़ी हर क्रिया में मन का लगना अत्यंत आवश्यक है। पूजा, प्रार्थना, भजन या ध्यान केवल औपचारिकताएँ नहीं हैं, बल्कि वे विश्वास और समर्पण के माध्यम हैं। यदि मन भटकता रहे और हृदय में संशय बना रहे, तो ईश्वर की कृपा का अनुभव करना कठिन हो जाता है। इसलिए आवश्यक है कि हम श्रद्धा और विश्वास के साथ आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ें।

भगवान ने अपनी कृपा प्रकट करने के लिए जीवन की साधारण वस्तुओं को भी पवित्रता का प्रतीक बना दिया है। जिस पात्र से हम सामान्य रूप से पानी पीते हैं, उसी को कलश का स्वरूप देकर उसे पूजनीय बना दिया गया। भारतीय संस्कृति में कलश को समृद्धि, मंगल और ईश्वर के निवास का प्रतीक माना गया है। विवाह, यज्ञ, पूजा और धार्मिक आयोजनों में कलश स्थापना का विशेष महत्व इसी कारण है। आज भी अनेक शोभायात्राओं में महिलाएँ और पुरुष सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा और भक्ति का परिचय देते हैं।

जीवन का मूल संदेश यही है कि हम ऐसी कोई मूर्खता न करें, जिससे हमारा विश्वास भगवान से उठ जाए। परिस्थितियाँ कैसी भी हों, ईश्वर पर भरोसा बनाए रखना चाहिए। सच्ची श्रद्धा, विनम्रता और सकारात्मक सोच ही हमें परमात्मा की कृपा के निकट ले जाती है और जीवन को सुख, शांति तथा संतोष से भर देती है।

एआई की दुनिया में आपके भीतर 'हाई-एजेंसी' स्किल जरूर होनी चाहिए

जब भी कोई कॉलेज स्टूडेंट मुझसे पूछता है कि एआई की नई दुनिया में जरूरी स्किल क्या है, तो हमेशा मेरा जवाब होता है- 'निरंतरता'। किसी काम को सिर्फ कुछ महीनों या वर्षों नहीं, बल्कि दशकों तक करना। एक भी दिन का ब्रेक नहीं लेना। यह सिर्फ कड़ी मेहनत नहीं, बल्कि वह अनुशासन है, जिसे हर मां बिना शिकायत किए निभाती है। इस सवाल पर एचआर प्रोफेशनल्स के जवाब अलग-अलग हो सकते हैं। जैसे- व्यवस्थित, ईमानदार, सकारात्मक, भरोसेमंद और समर्पित होना या अच्छा कम्युनिकेशन करना।

लेकिन अगर आप ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन से पूछें तो उनका जवाब सफलता के लिए जरूरी सभी स्वीकृत और परखे हुए गुणों से अलग होगा और वे कहेंगे, 'हाई एजेंसी बनो।' हालांकि आल्टमैन अत्यधिक लचीलेपन और दीर्घकालीन फोकस जैसे गुणों की वकालत लंबे समय से करते रहे हैं, खासकर अपने चर्चित निबंध 'हाउ टु बी सक्सेसफुल' में उन्होंने इसका उल्लेख किया है। लेकिन जैसे-जैसे एआई रोजमर्रा के काम ऑटोमेट कर रहा है, उनकी सार्वजनिक सलाह 'हाई एजेंसी' (एचए) पर शिफ्ट हो गई है। यह आप 2024 से 2026 के बीच दिए उनके साक्षात्कारों में देख सकते हैं।

'एचए' क्या है, इसे समझने से पहले एक 'डिटेंशन टेस्ट' से शुरू करते हैं। तैयार हैं? पूरा लेख पढ़कर खुद से चीट मत कीजिए, बल्कि खुले मन से टेस्ट में शामिल होइए। कल्पना करो आपको किसी विदेशी एयरपोर्ट पर रोक लिया गया है और अधिकारियों ने आपको सिर्फ एक कॉल की अनुमति दी है। अब बताइए, आप किसे फोन करेंगे? पत्नी को, जो गृहिणी हैं और परेशान हो जाएंगी? 70 साल के पिता को? या भाई को, जो प्रभावशाली सरकारी पद पर हैं?

अगर आप 'एचए' का मतलब जानते होंगे तो भाई को फोन करेंगे। क्योंकि शायद वही आपकी जिंदगी में 'हाईएस्ट एजेंसी' वाले व्यक्ति हों। वे घबराएंगे नहीं, शायद दर्जन भर सवाल पूछ लें। सिस्टम को कोसेंगे भी नहीं, बल्कि समस्या सुलझाने के तरीके ढूंढने शुरू कर देंगे। 'एचए' ऐसा माइंडसेट है, जिसमें आप एक निष्क्रिय यात्री बनने के बजाय अपनी जिंदगी के ड्राइवर खुद बनते हैं। यह सोच परिस्थितियों या सीमाओं को ज्यों की त्यों मानने से इनकार करती है। इसमें अंदरूनी भरोसा भी होता है कि आपका एक्शन नतीजों को प्रभावित करता है। किसी हाई एजेंसी व्यक्ति में निम्न कुछ व्यवहार दिखते हैं।

1. कार्रवाई की तत्परता : वे स्पष्ट अनुमति, आदर्श परिस्थितियों या सटीक निर्देशों का इंतजार नहीं करते। समस्या आती है तो तुरंत कार्रवाई शुरू कर देते हैं। 2. पूरी जिम्मेदारी लेना : वे समस्या-समाधान की जिम्मेदारी लेते हैं, भले ही यह उनके जॉब डिस्क्रिप्शन से बाहर की बात हो। 3. रिसोर्सफुलनेस होना : 'यह असंभव है' ऐसा कहकर रुकने के बजाय वे सोचते हैं कि 'चलो, दूसरा तरीका आजमाता हूं।' मनचाहा परिणाम मिलने तक वे ऐसे तरीके अपनाते रहते हैं।

वर्कप्लेस पर एचए माइंडसेट कैसे विकसित करें? नियमित एक्सरसाइज से मसल्स बनाने की तरह ही जानबूझकर अपनाई कुछ दैनिक आदतें 'एचए' विकसित कर सकती हैं। इसके लिए पांच क्षेत्रों पर काम करना चाहिए :

1. समस्याएं नहीं, समाधान लेकर जाएं : दो व्यावहारिक समाधान सुझाए बिना अपने मैनेजर के पास कोई समस्या न लेकर जाएं।

2. नियमों को गाइडलाइन समझें : तेजी से परिणाम देने के लिए कठोर कॉर्पोरेट प्रक्रियाओं को कानूनी और नैतिक तरीके से मोड़ लें।

3. रुकावटों पर काबू पाएं : यदि कोई सहकर्मी 'न' कहे तो दूसरे हितधारकों या डेटा स्रोतों को खोजें।

4. संसाधनों की सीमितता में काम करें : बजट कम हो तब भी मुफ्त टूल्स का इस्तेमाल कर हाई-क्वालिटी प्रोडक्ट बनाएं।

5. कैलकुलेटेड रिस्क लें : जब नेतृत्व अन-रेस्पॉन्सिव या अनुपलब्ध हो तो जरूरी फैसले अपने दम पर लें।

'एचए' की मूल अवधारणा यह है कि अपनी जिंदगी में बदलाव लाने की ताकत हम सभी में है। इसे अपनाना निराशा और बेबसी की भावना का इलाज बन सकता है। लगातार काम के जुनून वाली संस्कृति में यह तय करना कि वास्तव में हमारा ध्यान कहां होना चाहिए, शायद हमारा हाईएस्ट एजेंसी मूव हो सकता है।

फंडा यह है कि 'एचए' एक मूल्य-निरपेक्ष शब्द है, न सकारात्मक और न नकारात्मक। यह ऐसे व्यक्ति का वर्णन है, जो जोखिम होने पर भी कार्रवाई करता है।

महिला क्रिकेट टीम को अब आगे की राह तलाशनी होगी

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल होने जा रहे हैं, लेकिन भारत अंतिम चार में नहीं है। प्रशंसकों के लिए यह निश्चित रूप से मायूस करने वाला होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले दो हफ्तों में हमारी टीम ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उसके आधार पर वह वहां तक पहुंचने की हकदार नहीं थी। टीम एकजुट होकर नहीं खेल पाई।

एक-दो उल्लेखनीय व्यक्तिगत प्रयास जरूर रहे, लेकिन टीम के रूप में प्रदर्शन दिखाई नहीं दिया। यही बात ऑस्ट्रेलिया व दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मैचों में भारी पड़ी। अगर कप्तान हरमनप्रीत कौर से शुरुआत करें, तो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने एक शानदार पारी खेली थी।

वे अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थीं और उनकी पारी के कारण ही भारत मुकाबले में बना हुआ था। लेकिन बाकी सभी मैचों में वे जरूरत से ज्यादा सतर्क नजर आईं। अगर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी ऐसी ही पारी खेली होती, तो भारत वह मैच जीत सकता था और सेमीफाइनल में पहुंच सकता था। यह निरंतरता की वही कमी है, जो टीम को नुकसान पहुंचा रही है।

स्मृति मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबलों में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद कोई बड़ी भूमिका नहीं निभाई। सच्चाई यह है कि यही दो मैच मायने रखते थे, क्योंकि बाकी मुकाबले अपेक्षाकृत कमजोर टीमों के खिलाफ थे। ऐसे में जब आपकी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ही बड़ा योगदान नहीं दे पाती, तो यह निश्चित रूप से एक समस्या है।

जेमिमा रोड्रिगेज और यास्तिका भाटिया का तो पूरा टूर्नामेंट ही खराब रहा और जेमिमा को कुछ समय लेकर आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर समस्या कहां है। उनमें प्रतिभा है, लेकिन वे खुद भी यह स्वीकारेंगी कि उन्होंने अपने करियर में अभी तक क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं किया है। 2025 के विश्व कप सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगाए शतक जैसी पारियों को छोड़ दें, तो वे लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं।

दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट लेने के बाद ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना 356वां विकेट हासिल करने के बावजूद उनका विश्व कप फीका ही रहा। ऋचा भी एक अच्छे मैच के बाद कुछ खास नहीं कर पाईं।

गेंदबाजी में चारणी के अलावा कोई भी अन्य उस समय आगे नहीं आया, जब टीम को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। पूरे टूर्नामेंट में क्षेत्ररक्षण औसत से नीचे रहा और यहां तक कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल राधा यादव ने भी कई कैच छोड़े। अब आगे का रास्ता क्या है। अगला पड़ाव एशियन गेम्स हैं और एशियाई स्तर पर कोई बड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण भारत आसानी से स्वर्ण पदक जीत सकता है। लेकिन जिस टूर्नामेंट पर ध्यान होना चाहिए, वह फरवरी 2027 में श्रीलंका में होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी है। क्या कोच अमोल मजुमदार कुछ कठोर फैसले ले सकते हैं और टीम को टी-20 के अनुरूप ढाल सकते हैं? 2024 और 2026 में ग्रुप चरण से बाहर होना अच्छा नहीं है और दो साल बाद ओलम्पिक को देखते हुए भारत को नए विचारों की जरूरत है।अमोल के लिए आने वाले कुछ महीने बेहद महत्वपूर्ण होंगे कि वे टीम को किस दिशा में ले जाते हैं।

हालांकि चोटों ने टीम को प्रभावित किया, लेकिन आपको बैकअप खिलाड़ियों को तैयार रखना होता है और नए खिलाड़ियों को विकसित करना होता है। जब हमारे पास इतनी प्रतिभा और संसाधन हैं, तो स्वाभाविक है कि उम्मीदें भी ऊंची होंगी। अमोल को अपनी रणनीति पर भी विचार करना होगा। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने जेमी को रिटायर आउट क्यों नहीं किया और ऋचा को पहले क्यों नहीं भेजा? नंबर 3 की स्थिति को लगातार क्यों बदला जाता रहा?

हालांकि लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन इसका एकमात्र संभावित कारण हो सकता है, लेकिन क्या यह भी सच नहीं है कि नंबर 3 एक विशेष भूमिका है और किसी भी खिलाड़ी को उसमें जमने के लिए लंबा समय चाहिए? गेंदबाजी में प्रेमा रावत को 2 ओवर के बाद बाहर क्यों बैठाया गया?

ऐसे कई सवालों के साथ हम विश्व कप को समाप्त कर रहे हैं और अब समय की सबसे बड़ी जरूरत यही होगी कि कुछ जवाब तलाशे जाएं और समाधान लागू किए जाएं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मुलायम आंखें भारी सपना क्यों नहीं देख सकतीं?

सहर बेखौफ होकर पिता की आंखों में देखती हुई कहती हैं कि 'मैं फिल्मी म्यूजिक पर डांस करना चाहती हूं।' पंडित हरिनारायण शर्मा की आंखें लाल हो जाती हैं और वे जवाब देते हैं, 'नहीं, उनके म्यूजिक और डांस में ताल नहीं होती।' सहर हाथ पकड़कर पूछती है, 'बताइए, भला कोई म्यूजिक और डांस बिना ताल कैसे हो सकता है?' शर्मा, जो एक बेहद सम्मानित गुरु और पारिवारिक नृत्य परंपरा के सख्त संरक्षक हैं। वे अत्यंत निष्ठा के साथ अपनी विरासत बचाए रखना चाहते हैं।

उनका मानना है कि शास्त्रीय परंपरा के बाहर की हर चीज खोखली और आत्मा-रहित है, जिसके लिए उनके घर में कोई जगह नहीं। लेकिन उनके पास सहर के सवाल का जवाब नहीं होता। वे चुपचाप चले जाते हैं। कठोर अनुशासन में बंधा सहर का जीवन सिर्फ अपने पिता के ड्रम की पारंपरिक और कठिन तालों पर ही चलता है। इसीलिए सहर को एक दर्दनाक दोहरी जिंदगी जीनी पड़ती है। वह दो दुनियाओं में फंसी हैं: छिपकर मॉडर्न डांस की उन्मुक्त ऊर्जा को तलाशना और कर्तव्य व डर के कारण खुद को फिर से शास्त्रीय प्रशिक्षण के कठोर नियमों में बांध लेना।

एक दिन शर्मा सहर को फिल्मी म्यूजिक पर परफॉर्म करते पकड़ लेते हैं। और यहीं से दोनों कलाकार एनेट डी'सूजा (सहर) और काश्वी अग्रवाल (पंडित शर्मा) 90 मिनट के डांस-ड्रामा शो 'परदे में रहने दो' में अपनी कहानी दर्शकों को सामान्य डायलॉग्स के बजाय शानदार डांस मूवमेंट के जरिए समझाते हैं। यह शो मैंने शनिवार रात देखा था। उनके इस एक्ट ने मुझे 1948 की लीक से हट कर बनी मास्टरपीस और सही मायनों में भारत की पहली डांस फिल्म 'कल्पना' की याद दिला दी।

इस फिल्म के हीरो, जो रीयल-लाइफ हीरो भी थे, पद्म विभूषण सम्मानित उदय शंकर और डी'सूजा के बीच कई दिलचस्प समानताएं हैं। फिल्म में लीड एक्टर के अलावा शंकर ने इसका स्क्रीन-प्ले लिखा, निर्देशन किया और हर डांस सिक्वेंस को कोरियोग्राफ भी किया। उनकी ऑन-स्क्रीन परफॉर्मेंस में उनके असल जीवन की कहानी भी दिखाई दी। फिल्म में उनका किरदार जिस तरह एक आर्टिस्टिक एकेडमी बनाने के लिए संघर्ष करता है, वह उत्तराखंड में अल्मोड़ा सेंटर बनाने के उनके सफर जैसा ही था।

1938 में शुरू हुआ यह संस्थान हालांकि 1942 में पैसे की कमी के कारण बंद करना पड़ा, लेकिन बाद में उन्होंने 1965 में कोलकाता में उदय शंकर सेंटर फॉर डांस की स्थापना की। इस विजनरी डांसर ने ये एकेडमी अपनी विशिष्ट 'क्रिएटिव डांस' शैली को प्रमोट करने के लिए बनाई थी, जिनमें पारंपरिक इंडियन डांस फॉर्म्स और आधुनिक यूरोपीयन स्टेज-क्राफ्ट का मिश्रण था। उनके संस्थानों ने रवि शंकर, गुरु दत्त और जोहरा सहगल जैसे कई महान कलाकारों को प्रशिक्षित किया।

ठीक इसी तरह, शो की प्रोड्यूसर, कोरियोग्राफर और सहर की भूमिका निभाने वाली डी'सूजा एक ऐसे मोड़ पर पहुंचती हैं, जहां वह अपनी असली पहचान को छिपा नहीं पातीं। वह पिता का आशीर्वाद लेने की कोशिश करती हैं, लेकिन वे उनके इस बदलाव को स्वीकार नहीं करते और उनसे मुंह मोड़ लेते हैं। दुखी होने के बावजूद सहर हार नहीं मानतीं और अकेले ही उस इकलौती दुनिया से बाहर कदम बढ़ा देती हैं, जिसे वह अब तक जानती थीं।

लेकिन अलगाव से कई बार असाधारण रचनात्मकता आती है। अपने जुनून को मरने न देकर सहर बड़ी कुशलता से अपने शास्त्रीय प्रशिक्षण की मजबूत तकनीक को मॉडर्न डांस की आजादी से जोड़ देती हैं। और इसी से शानदार, बेहद व्यक्तिगत सेमी-क्लासिकल शैली का जन्म होता है।

डी'सूजा का डांस-ड्रामा आज के युवाओं के संघर्ष को बताता है, जो अपारंपरिक प्रोफेशन चुनना चाहते हैं। हमारे युवा उस एकल धारा जैसे हैं, जो पीढ़ियों से पत्थर की संकरी नहर में बहते रहे और अचानक उस पुरानी चट्टान को तोड़ देते हैं। उन्हें किसी स्थायी नौकरी में बांध कर ठहरा पानी बनाने के बजाय उस धारा के जैसे बहने दो, जो अपने ऐतिहासिक बहाव को प्राकृतिक परिदृश्य में मिला कर अद्भुत झरना बन जाती है।

'परदे में रहने दो' की यह मनमोहक परफॉर्मेंस उस युवा कलाकार की भावनात्मक यात्रा को खूबसूरती से दिखाती है, जो परंपराओं की कठोर दीवारों को तोड़कर अपनी आजादी और अपना आसमान हासिल करता है। यह याद दिलाता है कि हमें भी युवाओं को वही आजादी देनी चाहिए।

फंडा यह है कि बच्चों को साहसिक सपने पूरे करने की आजादी देने से उन्हें कलात्मक सफलता मिल सकती है। उदय की एकेडमी जैसी भौतिक इमारतें टूट सकती हैं, लेकिन सच्ची 'कल्पना' और कला की अटूट भावना कभी खत्म नहीं की जा सकती।

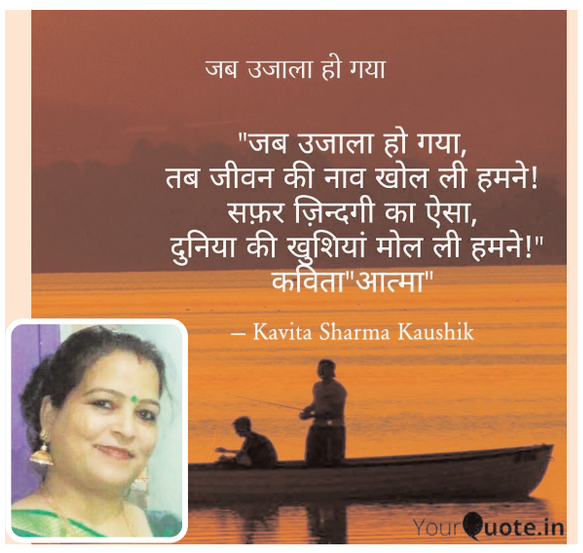

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

रामायण में आप एक अनोखापन यह देखेंगे कि कौशल्याजी की भी दासियां रही होंगी, तथा सुमित्राजी की भी दासियां रही होंगी, पर न हमें सुमित्राजी की दासी का नाम मालूम है और न ही कौशल्याजी की दासी का। अगर नाम प्रसिद्ध है तो केवल कैकेईजी की दासी का और इस दासी को महाराज कैकय ने दिया था। उन्होंने सोचा कि मैं अपनी बेटी का विवाह तो कर रहा हूं, पर हमारी बेटी बड़ी भोली है, ऐसा न हो कि इसको दशरथ ठग लें ? इसलिए इस बुद्धिमती दासी मंथरा को साथ में लगा दें। और तब उन्होंने मंथरा से कहा कि तुम बड़ी बुद्धिमती हो, जरा ध्यान रखना कैकेई का। और विचित्रता यह है कि कैकेई जितनी सुंदर हैं, मंथरा उतनी ही कुरूप है, लेकिन यह कुरूप और सुरूप का जोड़ा दिया कैकेई ने। इसका तात्पर्य है कि कैकेई यदि क्रिया हैं तो महाराज कैकय वस्तुत: रजोगुण हैं। इसका अर्थ है कि अगर हमारे आपके जीवन में रजोगुण का अभाव हो जाए तो क्रिया का भी अभाव हो जाएगा। क्योंकि जितनी क्रियाएं आप करते हैं उन सबके मूल में रजोगुण है तथा रजोगुण में बदला पाने की तीव्र इच्छा है। और बदला पाने की इच्छा होने के कारण ही वे महाराज श्रीदशरथ से तो वचन लेते ही हैं पर उतने से ही उन्हें संतोष नहीं होता, इसलिए वे मंथरा को भी उनके साथ लगा देते हैं।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

एआई के क्षेत्र में ये 4 फैक्टर हमें कामयाबी दिला सकते हैं

आप मानें या न मानें, लेकिन हम एक सभ्यतागत बदलाव से गुजर रहे हैं। पिछली बार इस पैमाने का बदलाव औद्योगिक क्रांति में हुआ था, जिसे पूरा होने में दो सदियां लगी थीं। लेकिन ये वाला दो दशकों में पूरा हो जाएगा। स्टैनफोर्ड एआई इंडेक्स के अनुसार जीपीटी-3.5 स्तर के किसी मॉडल से प्रश्न पूछने की लागत 2022 में प्रति मिलियन टोकन 20 डॉलर थी, जो 2024 तक घटकर 0.07 डॉलर रह गई।

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग क्षमता का व्यावहारिक मूल्यांकन करने वाले 'एसडब्ल्यूई-बेंच' पर एआई सिस्टमों ने अपना प्रदर्शन सुधारा है। 2023 में ये सिस्टम केवल 4.4% समस्याएं हल कर पा रहे थे, 2024 में यह आंकड़ा 71.7% तक पहुंच गया। मैकिन्से के सर्वे में पाया गया कि 2025 तक 88% संगठन कम-से-कम एक व्यावसायिक कार्य में एआई का उपयोग शुरू कर चुके थे, जबकि दो वर्ष पहले यह आंकड़ा 55% था। जनरेटिव एआई भी तीन वर्षों में 53% आबादी तक पहुंच गया है। इंटेलिजेंस आज पहले से कहीं सस्ती, अधिक उपलब्ध और व्यापक रूप से इस्तेमाल योग्य बन चुकी है। इसे देखते हुए हर सरकार, कंपनी और संस्थान को अपनी धारणाओं पर दोबारा सोचना चाहिए। भारत के लिए भी ऐसे में आज असली सवाल है कि क्या हम इस बदलाव से मूल्य हासिल कर पाएंगे? भारत वैश्विक एआई सिस्टमों को डिजिटल डेटा, भाषाई विविधता और मानवीय संदर्भ उपलब्ध कराता है, लेकिन अत्याधुनिक मॉडल किन्हीं और देशों में ही केंद्रित हैं।

स्टैनफोर्ड के अनुसार, 2024 में अग्रणी एआई मॉडलों में लगभग 90% अमेरिका से आए थे। दूसरे शब्दों में, भारत भविष्य की इंटेजिलेंस प्रणाली को प्रशिक्षित करने में मदद कर रहा है, लेकिन स्वयं की कम्प्यूटिंग क्षमता, डेटा आर्किटेक्चर और मॉडल निर्माण क्षमता के बगैर इस मूल्य का बड़ा हिस्सा विदेशों में चला जाता है।

लेकिन भारत की शुरुआत कमजोर नहीं है। वास्तव में उसके पास चार ऐसे एडवांटेज हैं, जिनकी बराबरी बहुत कम देश कर सकते हैं। यह हैं- प्रतिभा, नियमों का खुलापन, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी। प्रतिभा की बात करें तो एआई-कुशल आबादी के मामले में भारत का पहला स्थान है।

हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत अब केवल इंजीनियर निर्यात करने वाला देश नहीं रहा, बल्कि घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल भी कर रहा है। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, स्टार्टअप और बड़ी कंपनियां देश में एआई टीमें बना रही हैं। यह संकेत है कि भारत एआई युग का बैक-ऑफिस नहीं, उसके प्रमुख संचालन केंद्रों में से एक बन रहा है।

दूसरे, कई देश जहां एआई पर पहले से कड़े नियंत्रण लागू करने की तरफ बढ़ रहे हैं, वहीं इस दिशा में भारत का नजरिया शायद दुनिया में सबसे दूरदर्शी है। हमने हल्के-फुल्के नियमनों को चुना है। आरबीआई का रेगुलेटरी सैंडबॉक्स, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर अथॉरिटी (आईएफएससीए) इनोवेशन फ्रैमवर्क और इंडिया-एआई मिशन की सिद्धांत-आधारित गाइडलाइन- ये सभी एक ही उद्देश्य के लिए डिजाइन किए गए हैं कि पहले बनाओ, फिर जो सामने आए उसे विनियमित करो।

तेजी से बदलते क्षेत्रों में अत्यधिक कठोर नियम तकनीक के इस्तेमाल में देरी कर सकते हैं, लागू करने का खर्च बढ़ा सकते हैं और छोटी कंपनियों में प्रयोगों को हतोत्साहित कर सकते हैं। इसलिए व्यापक प्रतिबंध लगाने से पहले इनोवेशन को विकसित होने देने की भारत की नीति हमें प्रतिस्पर्धी बढ़त दिला सकती है।

तीसरा लाभ है बुनियादी ढांचा। भारत डेटा सेंटरों, सेमीकंडक्टरों, क्लाउड कैपेसिटी और हाई-परफॉर्मेंस कम्प्यूटिंग के रूप में एआई अर्थव्यवस्था की आधारभूत संरचना में बड़े विस्तार का साक्षी बन रहा है। सिर्फ डेटा सेंटर क्षेत्र में ही 70 अरब डॉलर का निवेश चल रहा है और 90 अरब डॉलर के अतिरिक्त निवेश की घोषणा हो चुकी है।

विशाखापट्टनम में गूगल का 15 अरब डॉलर का एआई हब, क्लाउड और एआई में माइक्रोसॉफ्ट की 17.5 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता, जामनगर में रिलायंस की मल्टी-गीगावॉट डेटा सेंटर की योजनाएं बताती हैं कि वैश्विक पूंजी भारत के स्थान को नए सिरे से परिभाषित करने में जुट गई है।

डेटा सेंटरों को चौबीसों घंटे भरोसेमंद बिजली चाहिए। 2025-26 में देश ने रिकॉर्ड 55.3 गीगावॉट अतिरिक्त गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता हासिल की। बीते दशक में हमने सौर ऊर्जा शुल्कों को भी कम किया है। इससे भारत ऐसी जगह के तौर पर उभरा है, जहां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर को क्लीन एनर्जी के जरिए चलाया जा सकता है।

हमारे यहां एआई कौशल का स्तर वैश्विक औसत से 2.8 गुना अधिक है, जो अमेरिका और जर्मनी से भी आगे है। पिछले दशक में भारत में एआई-प्रतिभा तेजी से बढ़ी है। भारत घर में ही इस प्रतिभा का इस्तेमाल करने भी लगा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सहायक प्राध्यापक भर्ती में 'सीरीज सिलेक्शन' वाणिज्य में रोल नंबर 190206100102 से 127 तक 2a4 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में पास

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (सीजी-पीएससी) की विवादित परीक्षाओं की कड़ी में एक और बड़ा खुलासा हुआ है। वर्ष 2019 में विज्ञापित असिस्टेंट प्रोफेसर के 27 विषयों के 1384 पदों पर हुई भर्ती अब भारी गड़बड़ी और च्सेटिंगज् के आरोपों के घेरे में है। नवंबर 2020 में आयोजित इस परीक्षा की अंतिम चयन सूचियां जनवरी 2021 से 2025 के बीच जारी की गईं।

एक्सपर्ट्स और एआई के माध्यम से 27 में से 11 प्रमुख विषयों के परिणामों का डेटा एनालिसिस करने पर बेहद चौंकाने वाला च्सीरीज सिलेक्शनज् (क्लस्टर सलेक्शन) पैटर्न सामने आया है। यानी एक के बाद एक रोल नंबर वाले अभ्यर्थियों का लिखित परीक्षा में चयन हुआ। जैसे- वाणिज्य ?में रोल नंबर 190206100102 से 127 तक, कुल 26 रोल नंबर आते हैं। रोल नंबर 107, 110, 115, 122 को छोड़ 24 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में पास हुए। हर विषय में ऐसी कई सीरीज है। इनमें से ही बड़े पैमाने पर अभ्यर्थियों के नाम अंतिम चयन में मिले हैं।

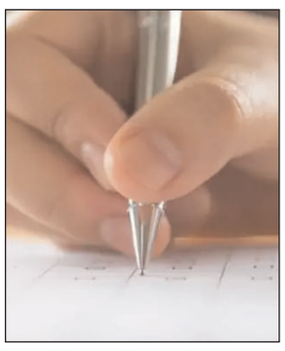

अब सवाल यह है कि सीजीपीएससी में यह इत्तेफाक है या सेटिंग क्योंकि कभी ऐसा नहीं हुआ। सवाल इसलिए भी उठ रहा है क्योंकि भर्ती परीक्षा पूर्व पीएससी अध्यक्ष (रिटायर्ड आईएएस) टामन सिंह सोनवानी के कार्यकाल में हुई। इनके ही कार्यकाल में, पीएससी 2021 मुख्य परीक्षा का पेपर लीक हुआ था, जिसमें शासन-प्रशासन में बैठे अधिकारियों के बेटे-बेटियों, रिश्तेदारों का चयन हुआ था। मामले की सीबीआई जांच चल रही है।

अभ्यर्थियों, प्रोफेसर्स और पीएससी अधिकारियों ने भी यह शिकायत की कि असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। लिखित शिकायत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को हो चुकी है। पीएससी सचिव राहुल वेंकट ने कहा- शिकायत पर क्या कार्रवाई हुई, मैं चेक करके ही बता पाउंगा।

लिखित परीक्षा की कुछ और प्रमुख सीरीज

वनस्पति शास्त्र

190211100002 से 008 तक और 011 से 013 तक। 6190211100034 से 037 तक और 041 से 045 तक। 6190211100077 से 084 तक (केवल 082 गायब)। 6190211100229 से 190211100240 तक लगातार चयन।

भूगोल: 190213100052, 53, 54, 55, 57, 59, 60, 61, 62, 64, 65, 67, 69, 70, 71 (एक ही सीरीज से 15 अभ्यर्थी)।

इतिहास: 190210100047, 48, 49, 50, 51, 52 और इसी सीरीज में आगे 64, 65, 67, 68।

अंग्रेजी: 190201100083, 84, 85, 86, 87, 88, 89 (लगातार 7 चयन)।

अर्थशास्त्र: 190209100060, 62, 63, 64, 65, 67, 69 और 190209100353, 54, 55।

प्राणी शास्त्र: 190212100004 से 010 तक और 190212100115 से 026 के बीच की सीरीज।

किराए पर उपलब्ध है

तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।

संपर्क-9302222222

26 साल बाद स्टेट गैरेज कर्मचारी संघ का चुनाव

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट गैरेज कर्मचारी संघ का चुनाव 26 साल बाद लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ। रविवार को हुए मतदान में दिलीप यदु ने हफीज अली को हराकर संघ के पहले निर्वाचित अध्यक्ष बने। निर्वाचन अधिकारी आकाश सिंह ने मतदान के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए। परिणाम घोषित होते ही कर्मचारियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी। चुनाव में अन्य पदों पर भी कर्मचारियों ने अपने प्रतिनिधियों का चयन किया। धर्मेंद्र गिधौड़े उपाध्यक्ष, राजकुमार सिंह कंवर सचिव, रूडोल्फ टोप्पो संयुक्त सचिव और अजय कुमार जोशी कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। वहीं, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अश्विनी साहू, अजय कुमार साहू, घनश्याम महिलांग और सदाराम ध्रुव निर्विरोध चुने गए।

सहकारिता दिवस के अवसर पर फहराया ध्वज, क्षेत्र के विभिन्न समितियों में आयोजन

सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूरे होने पर करही बाजार क्षेत्र की पंजीकृत सहकारी समितियों में सहकारिता दिवस सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। समितियों ने एक दिन पहले किसानों, खाताधारकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को कार्यक्रम की सूचना दी थी। सोमवार को तय समय पर विभिन्न गांवों की समितियों में कार्यक्रम शुरू हुए। उपस्थित किसानों और अतिथियों ने पूजा-पाठ किया और चित्र पर माल्यार्पण किया। इसके बाद सहकारी गीत के साथ सहकारी सतरंगी ध्वज फहराया गया। समितियों से जुड़े पुराने किसानों ने बताया कि वे लंबे समय से सहकारी समिति के माध्यम से लेनदेन कर रहे हैं।

लोगों के घरों में नहीं जला चूल्हा

सुबह 4 बजे से कार्रवाई, शाम 5 बजे तक 60 घर ध्वस्त; विरोध, आंसू और बुलडोजर साथ-साथ चले

रायपुर। राजधानी से लगे नकटी गांव में सोमवार तड़के प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रभावित परिवारों ने प्रदर्शन किया, सांसद से मिले, अधिकारियों से रोते हुए कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई और आक्रोश में जेसीबी चालक पर पत्थर भी फेंके, लेकिन कार्रवाई नहीं रुकी। प्रशासन ने वार्ड 16 और 17 में 77 अतिक्रमण हटाए, जिनमें करीब 60 मकान तथा बाउंड्रीवाल और फेंसिंग से किए गए कब्जे शामिल थे। बड़ी संख्या में राजस्व अधिकारी और पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलते रहे।

टीम प्रहरी, कोटवार और नगर निगम के काऊ कैचर वाहनों से लोगों का सामान नवा रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस मकानों तक पहुंचाया गया। बाहरी लोगों और राजनीतिक संगठनों को रोकने के लिए गांव के तीनों प्रवेश मार्गों पर तीन स्तरीय बैरिकेडिंग की गई। माना एयरपोर्ट मार्ग से मुख्य बस्ती तक पुलिस तैनात रही। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई और ड्रोन से भी निगरानी रखी गई।

प्रशासन- अतिक्रमण था, ग्रामीण बोले- सुविधाएं मिलीं तो अतिक्रमण कैसे?

प्रशासन का कहना है कि 9 हेक्टेयर सरकारी भूमि पर 77 अतिक्रमण थे। वहीं भारती साहू, सोनी यादव, मुकुंद साहू समेत सैकड़ों ग्रामीणों का कहना है कि वे वर्षों से यहां रह रहे हैं। गांव में बिजली, पानी जैसी सरकारी सुविधाएं मिलीं, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 22 मकान बने और पांच नए हितग्राहियों के नाम भी स्वीकृत हुए। ऐसे में अब उसी जमीन को अवैध अतिक्रमण बताया जा रहा है।

नवा रायपुर नया ठिकाना... अतिक्रमण हटाने के बाद प्रशासन ने सभी प्रभावित परिवारों को नवा रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस आवासों में अस्थायी रूप से शिफ्ट कर दिया है।

झड़प-पत्थरबाजी, नारेबाजी भी

सुबह 4 बजे: ग्रामीण पीपल के पेड़ के नीचे रातभर धरने पर बैठे रहे।

सुबह 6 बजे: दोनों ओर से जेसीबी और पुलिस बल प्रभावित क्षेत्र में पहुंचा।

सुबह 7 बजे: लोगों ने जेसीबी के सामने बैठकर नारेबाजी की, पत्थर भी फेंके।

सुबह 8 बजे: पुलिस ने लोगों को हटाया, पहले मकान पर बुलडोजर चला।

सुबह 9 बजे: मनवा यादव के घर से महिलाओं को बाहर निकालने के बाद तोड़फोड़ शुरू हुई।

सुबह 9:30 बजे: भूषण छत पर ईंट लेकर विरोध करता रहा, पुलिस ने नीचे उतारा।

सुबह 10 बजे: साहू परिवार अपने नए मकान के दरवाजे-खिड़कियां खुद निकालकर बचाने में जुटा रहा।

दोपहर 12 बजे: घरों का सामान काऊ कैचर वाहनों से नवा रायपुर भेजा जाने लगा।

दोपहर 12:30 बजे: फिर पत्थरबाजी हुई, पुलिस ने स्थिति संभाली।

दोपहर 1 बजे: कार्रवाई में लगे कर्मचारियों ने भोजन किया, सभी परिवारों के बच्चे भूखे रहे।

दोपहर 3 बजे: तोड़फोड़ और सामान शिफ्टिंग लगातार जारी रही।

शाम 4 बजे: कुछ बल लौटने लगा, लोग मलबे से उपयोगी सामान समेटते रहे।

शाम 5 बजे: कार्रवाई पूरी हुई। विरोध थम गया।

निगम ने की करदाताओं से संपत्तिकर जमा करने की अपील

रायपुर। रायपुर नगर निगम में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने पर मिलने वाली छूट का आज (30 जून) आखिरी दिन है। निगम ने करदाताओं से अपील की है कि वे आज ही संपत्तिकर जमा कर अधिकतम 6.25 प्रतिशत की छूट का लाभ उठाएं।

छूट की अंतिम तारीख से एक दिन पहले सोमवार (29 जून) को नगर निगम ने विशेष अभियान चलाकर 1070 संपत्तियों से 1 करोड़ 55 लाख 63 हजार 119 रुपए का राजस्व वसूला। निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर सभी जोनों में राजस्व वसूली अभियान चलाया गया।

व्यावसायिक संपत्तियों की होगी जांच

नगर निगम ने सभी जोनों को व्यावसायिक संपत्तियों की जांच कर सही टैक्स निर्धारण करने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि राजस्व संग्रह बढ़ाया जा सके।

जानिए किस जोन में हुई कितनी वसूली

जोन-3: 90 संपत्तियों से 10.98 लाख रुपए

जोन-4: 90 संपत्तियों से 20.85 लाख रुपए

जोन-5: 119 संपत्तियों से 15.03 लाख रुपए

जोन-7: 64 संपत्तियों से 11.01 लाख रुपए

जोन-8: 120 संपत्तियों से

जोन-10: 136 संपत्तियों से 12.06 लाख रुपए

इसके अलावा अन्य जोनों में भी राजस्व वसूली अभियान जारी रहा।

शहर की 10 राशन दुकानों से एक करोड़ का चावल व शक्कर गायब, सबके खिलाफ होगी एफआईआर

रायपुर। सरकारी राशन को खुले बाजार में बेचा, खाद्य विभाग ने की जांच पूरी, कलेक्टर की अनुशंसा पर अब खाद्य निरीक्षक कराएंगे केस दर्ज

शहर की 10 राशन दुकानों में एक करोड़ से ज्यादा का चावल और शक्कर गायब है। राशन दुकानदारों ने सरकारी चावल व शक्कर को खुले बाजार में बेच दिया है। ऑनलाइन स्टॉक की जांच के दौरान ये खुलासा हुआ है। संबंधित इलाकों के खाद्य निरीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर ने इन सभी दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर कराने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले जून से अब तक चार राशन दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जा चुकी है। इसमें जोरा, कुशालपुर, बीरगांव निगम और धरसींवा इलाके की दुकान शामिल हैं।

सुशासन तिहार के दौरान मिली राशन दुकानों के खिलाफ शिकायत करने के बाद ज्यादातर जगहों पर शिकायत सही पाई गई है। इन शिकायतों के आधार पर भी राशन दुकानों के पिछले छह महीने के स्टॉक की जांच की जा रही है। अभी तक सेरीखेड़ी, कोसमखुटा, गनौद और रायपुर की राशन दुकानों में 175 से 450 क्विंटल तक चावल का शार्टेज मिला है। अफसरों ने इन समितियों को कई बार नोटिस जारी कर चावल या उसकी रकम जमा करने के लिए कहा था। लेकिन अभी तक चावल और रकम जमा नहीं हुई है। इस वजह से इन दुकानदारों के खिलाफ भी एफआईआर कराने की तैयारी कर ली गई है।

राज्य सरकार की ओर से इस साल पहले दो और बाद में तीन माह का चावल एक साथ बांटा गया है। चावल बांटने में जबरदस्त गड़बड़ी की गई है। जांच में पता चला है कि कई दुकानों में नान गोदाम से चावल नहीं पहुंचा और ऑनलाइन उसे बांटना दिखा दिया गया है। बाद में इसी चावल को बाजार में बेच दिया गया है। विभाग के अफसरों को जांच में इस तरह की कई गड़बड़ी मिली है। अब इस गड़बड़ी के आधार पर भी रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें ज्यादातर आउटर की राशन दुकानें हैं जहां से चावल की गड़बड़ी की गई है। दावा किया जा रहा है कि पांच माह के चावल बांटने में एक करोड़ से ज्यादा का चावल खुले बाजार में बेचा गया है। अभी इसकी जांच जारी है।

सेरीखेड़ी राशन दुकान (आईडी 442001044) में 450 क्विंटल चावल शार्टेज है।

आरंग की कोसमखुंटा दुकान (आईडी 442003042) में 220 क्विंटल चावल कम।

रायपुर की दुकान (आईडी 441001290 और 441001291) में 250 क्विंटल कम।

सरोना फ्लाईओवर ब्रिज पर ट्रेलर पलटा: क्रेन से हटाया गया ट्रेलर, 6 ट्रैक्टर लदे हुए थे; 40 मिनट में बहाल हुआ यातायात

रायपुर। राजधानी रायपुर के सरोना फ्लाईओवर पर मंगलवार सुबह सड़क हादसा हो गया। 6 ट्रैक्टरों से लदा ट्रेलर सरोना ब्रिज से गुजरते समय बेकाबू होकर पलट गया। हादसे के बाद दुर्ग-रायपुर रोड पर यातायात बाधित हो गया और लंबा जाम लग गया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

डीएसपी ट्रैफिक सतीश ठाकुर ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। ट्रेलर पलटते ही सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस और अन्य टीमें मौके पर पहुंचीं और क्रेन की मदद से राहत और हटाने का कार्य शुरू किया गया। करीब 40 मिनट की मशक्कत के बाद ट्रेलर को हटाकर यातायात सामान्य किया गया।

ट्रैक्टरों को भी नुकसान, चालक सुरक्षित

हादसे में ट्रेलर में लदे ट्रैक्टरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है, लेकिन चालक सुरक्षित है। शुरुआती जांच में वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे का कारण माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने जारी की थी एडवाइजरी

यातायात प्रभावित होने के दौरान पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर दुर्ग से रायपुर आने-जाने वाले हल्के वाहनों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी थी। पुलिस ने सुझाव दिया कि वाहन चालक सरोना मार्ग की बजाय एम्स-मोहबाबाजार मार्ग से शहर में प्रवेश करें, ताकि जाम से बचा जा सके।

यातायात सामान्य

डीएसपी सतीश ठाकुर के अनुसार, अब मार्ग पूरी तरह सामान्य हो चुका है और यातायात सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज का दिन धैर्य, संयम और समझदारी के साथ आगे बढ़ने का है। किसी भी परिस्थिति में क्रोध पर नियंत्रण रखें, क्योंकि छोटी-सी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। कार्यक्षेत्र में जल्दबाजी करने के बजाय सोच-समझकर निर्णय लें। बिना योजना बनाए किसी नए काम की शुरुआत करना नुकसानदायक हो सकता है। आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतें और अनावश्यक खर्चों से बचें।

वृषभ। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आएगी। आपकी प्रतिभा और मेहनत के कारण कार्यक्षेत्र तथा समाज में सम्मान बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। व्यापारियों को लाभ मिलने की संभावना है, जबकि नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन। आज समय प्रबंधन आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। अपने कार्यों को समय पर पूरा करने का प्रयास करें, अन्यथा देरी के कारण तनाव बढ़ सकता है। एक साथ कई काम शुरू करने के बजाय एक-एक कार्य पर ध्यान केंद्रित करें। किसी के बहकावे में आकर महत्वपूर्ण निर्णय लेने से बचें। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाना बेहतर रहेगा।

कर्क। महीने का पहला दिन आपके लिए नई उम्मीदें और सकारात्मक अवसर लेकर आया है। भाग्य का साथ मिलने से लंबे समय से सोचे गए कार्य पूरे होने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और आपकी मेहनत रंग लाएगी। हालांकि, वाणी में मधुरता बनाए रखना आवश्यक होगा, क्योंकि कठोर शब्द रिश्तों में दूरी ला सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद रहेगा।

सिंह। आज का दिन आपके पेशेवर जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का संकेत दे रहा है। नई जिम्मेदारियां और अवसर आपके सामने आ सकते हैं, जो भविष्य के लिए लाभदायक साबित होंगे। नई चीजें सीखने और अपने कौशल को विकसित करने का अच्छा मौका मिलेगा। आर्थिक मामलों में खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि हो सकती है।

कन्या। आज करियर और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाए रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। अपने फैसलों पर भरोसा करें और दूसरों के प्रभाव में आकर निर्णय लेने से बचें। जो लोग नया व्यवसाय या काम शुरू करना चाहते हैं, उनके लिए अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं। हालांकि, किसी भी निर्णय में जल्दबाजी न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी। परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

तुला। आज आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा और इसी के बल पर कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे हो सकते हैं। परिवार में लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में समझदारी से किया गया निवेश भविष्य में अच्छा लाभ दे सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और व्यवहार की सराहना होगी।

वृश्चिक। आज करियर में उन्नति के नए अवसर मिल सकते हैं और आपकी मेहनत का उचित परिणाम प्राप्त होगा। हालांकि, कार्यक्षेत्र में काम का दबाव अधिक रहने से थकान महसूस हो सकती है। समय का सही प्रबंधन करना आपके लिए आवश्यक रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंधों में मधुरता बढ़ेगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर बनी रहेगी। विद्यार्थियों के लिए भी दिन सकारात्मक है।

धनु। आज का दिन आपके लिए लाभ और सफलता लेकर आने वाला है। लंबे समय से सोचे हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और रुका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। परिवार और मित्रों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना जरूरी होगा।

मकर। आज का दिन मिला-जुला परिणाम देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य पूरे करने में मदद मिलेगी। हालांकि, काम की अधिकता के कारण थकान महसूस हो सकती है। इसलिए अपने स्वास्थ्य और खानपान का विशेष ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति सामान्य बनी रहेगी और खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहतर होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर बने रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए मेहनत का समय है।

कुंभ। आज आर्थिक स्थिति में सुधार के अच्छे संकेत हैं। किसी पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आत्मविश्वास बढ़ेगा। पारिवारिक वातावरण खुशनुमा रहेगा और प्रियजनों के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी और मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिन्हें आप सफलतापूर्वक निभाएंगे। विद्यार्थियों के लिए भी दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम लाभदायक होगा।

मीन। आज का दिन व्यापारियों के लिए विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। लंबे समय से रुके हुए सरकारी कार्य पूरे होने की संभावना है। विद्यार्थियों को अपनी मेहनत के अनुरूप अच्छे परिणाम मिलेंगे, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और घर का वातावरण सुखद बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मानसिक तनाव से दूर रहना बेहतर होगा। आज का दिन नई उपलब्धियों, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगा। तो अब उसका समाधान निकलता दिखाई देगा। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखें।

पाकुड़ में धूमधाम से मनाया गया हूल दिवस

सिद्धू-कान्हू मुर्मू पार्क में शहीदों को किया गया याद, पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए लोग

पाकुड़। पाकुड़ में हूल दिवस पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के सिद्धू-कान्हू मुर्मू पार्क में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां वीर शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों, आदिवासी संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

सभी ने पार्क में स्थापित सिद्धू-कान्हू और चांद-भैरव की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त अरविंद कुमार लाल सहित जिला प्रशासन के कई अधिकारियों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए और शहीदों के बलिदान को याद किया। हूल दिवस के उपलक्ष्य में शहर में विभिन्न आदिवासी संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा भव्य जुलूस निकाले गए। इन जुलूसों में बड़ी संख्या में आम लोगों की भागीदारी देखी गई। जुलूस में सिद्धू-कान्हू और चांद-भैरव की आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

हूल दिवस के उपलक्ष्य में शहर में विभिन्न आदिवासी संगठनों और राजनीतिक दलों द्वारा भव्य जुलूस निकाले गए।

आदिवासी छात्र-छात्राओं और संगठनों ने पारंपरिक वेशभूषा में रैली निकाली और सिद्धू-कान्हू मुर्मू पार्क पहुंचकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पूरे रास्ते नारेबाजी और सांस्कृतिक उत्साह देखने को मिला, जिससे शहर का माहौल उत्सवमय हो गया।

मिटिलो टावर का भी किया दर्शन

कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना की और क्रांतिकारियों की प्रतिमाओं पर फूल अर्पित किए। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी इस आयोजन में शामिल हुए और शहीदों के योगदान को याद किया। इस अवसर पर लोगों ने सिद्धू-कान्हू पार्क परिसर में स्थित ऐतिहासिक मिटिलो टावर का भी दर्शन किया। हूल दिवस से जुड़े इस स्थल का विशेष महत्व माना जाता है, जिसके कारण लोगों में इसे लेकर खास उत्साह देखने को मिला।

अब तक का सबसे महंगा मेला, 2.27 करोड़ रुपए की लगी बोली

रांची। आगामी 16 जुलाई से शुरू होने जा रही ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस दौरान धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर में 10 दिवसीय भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। रथ मेला परिसर में लगने वाली दुकानों के लिए सोमवार को टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई।

इस बार 'आरएस इंटरप्राइजेज' (मालिक: राजेश चंद्रा, निवासी: मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल) ने सबसे अधिक 2 करोड़ 27 लाख 21 हजार 112 रुपए की बोली लगाकर मेला संचालन का ठेका अपने नाम किया है। पिछले तीन वर्षों में यह अब तक का सबसे महंगा ठेका है, जिसका सीधा असर मेले में लगने वाली छोटी-बड़ी दुकानों के किराए पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

यह निविदा प्रक्रिया एडीएम लॉ एंड ऑर्डर धनंजय, जगन्नाथ मंदिर के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव, सचिव प्रसन्न कुमार, विनोद कुमार तथा आवासीय पदाधिकारी स्मृति कुमारी की उपस्थिति में जगन्नाथपुर थाना परिसर में संपन्न हुई। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था का ठेका 'वर्जन सिक्योरिटी एंड फैसिलिटी सर्विसेज प्रा. लि.' को मिला है। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ मेले के सफल संचालन और लगातार बढ़ते राजस्व को देखते हुए इस बार जिला प्रशासन ने मेले के ठेके की न्यूनतम आरक्षित राशि (बेस प्राइस) 1 करोड़ 5 लाख रुपए तय की थी। इसके लिए विभिन्न फर्म, कंपनी, ट्रस्ट, एलएलपी और सोसायटियों से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की गई थीं। आवेदन 20 जून से 28 जून तक जमा किए गए थे, जिसके बाद 29 जून को टेंडर खोला गया। सफल बोलीदाता द्वारा मेले के लिए स्टॉल का रेट जल्द ही जारी किया जाएगा। सफल बोलीदाता को मेले में स्टॉल संचालन और उप-विक्रेताओं (सब-वेंडर्स) को अधिकृत करने का अधिकार होगा। इसके अलावा, मेले में निर्बाध बिजली आपूर्ति, झूलों व अन्य मनोरंजन साधनों के संचालन और सभी वैधानिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी ठेका लेने वाली एजेंसी की ही होगी।

नियमों के मुताबिक, सफल बोलीदाता को परिणाम घोषित होने के तीन दिनों के भीतर कुल निविदा राशि (2,27,21,112 रुपए) का 50 प्रतिशत यानी लगभग 1.13 करोड़ रुपए जमा करना होगा। इसके साथ ही शेष राशि के लिए बैंक गारंटी देनी होगी, जिसे 25 जुलाई तक जमा करना अनिवार्य है। गौरतलब है कि निविदा में भाग लेने के लिए सभी आवेदकों के लिए 2.10 लाख रुपए का बैंक ड्राफ्ट जमा करना अनिवार्य किया गया था। साथ ही, मेला वेंडर के रूप में केंद्र या राज्य सरकार से निबंधित (रजिस्टर्ड) होना भी आवश्यक था।

रिम्स... पूरी व्यवस्था होगी डिजिटल, रिपोर्ट मोबाइल पर मिलेगी, ट्रॉमा सेंटर में बढ़ेंगे बेड

रांची। रिम्स में मरीजों को जल्द ही पूरी तरह डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा। अस्पताल में इलाज से लेकर डिस्चार्ज तक की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। मरीजों को अब जांच रिपोर्ट लेने के लिए लैब के बाहर लंबी कतार में नहीं लगना पड़ेगा। सभी रिपोर्ट सीधे उनके मोबाइल पर उपलब्ध होंगी, वहीं डिस्चार्ज स्लिप भी डिजिटल रूप में जारी की जाएगी।

अस्पताल के कैश काउंटर पर नकद भुगतान की बाध्यता भी समाप्त होगी और मरीज यूपीआई, डेबिट-क्रेडिट कार्ड सहित अन्य डिजिटल माध्यमों से भुगतान कर सकेंगे। मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रॉमा सेंटर में बेड की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने सोमवार को रिम्स के प्रशासनिक भवन में करीब दो घंटे तक अधिकारियों और विभागाध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में अस्पताल की सभी सेवाओं को चरणबद्ध तरीके से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने इसके लिए विशेष टीम गठित करते हुए 15 दिनों के भीतर नई व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया। बैठक में रिम्स के निदेशक डॉ. डी.के. सिन्हा, अधीक्षक डॉ. हीरेंद्र बिरुआ समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

400 रिटायरकर्मियों को 20 प्रतिशत कटौती के साथ पेंशन, प्रदर्शन

रांची। रांची नगर निगम विचित्र कारनामों के लिए चर्चा में रहता है। इस बार निगम के अधिकारियों ने अपने ही 400 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हक-अधिकार में कटौती कर दी। 400 सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन की राशि में 20 प्रतिशत तक की कटौती कर दी गई है। सोमवार को सभी पेंशनभोगियों के खाते में कटौती के साथ पेंशन की राशि भेज दी गई। तीन माह के बाद निगम ने उन्हें पेंशन दी है, लेकिन हरेक कर्मचारियों की पेंशन में 5 हजार से 12 हजार तक की कटौती कर दी गई है। इससे आक्रोशित पेंशनधारियों ने निगम कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया और नगर आयुक्त के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। अवध बिहारी तिवारी के नेतृत्व में पेंशनधारियों ने नगर आयुक्त सुशांत गौरव से मुलाकात करके अपनी मांगों को रखा। नगर आयुक्त ने कहा कि पेंशन की राशि में कटौती नगर विकास विभाग के पत्र के आलोक में किया गया है। आपलोगों को वहीं जाकर अपनी बात रखनी चाहिए।

इधर, पेंशन में कटौती के निर्णय की पड़ताल करने पर चौंकाने वाली बात सामने आई। हाईकोर्ट के आदेश पर 2017 में नगर निगम ने सेवानिवृत कर्मचारियों को राज्यकर्मियों को समान पेंशन देना शुरू किया। उस समय सरकार के निर्णय के बाद बनाई गई कमेटी में तत्कालीन उप नगर आयुक्त संजय कुमार ने सहमति दी थी। अब 9 साल बाद जब संजय कुमार अपर नगर आयुक्त हैं, तो पेंशन में कटौती करने के निर्णय पर भी उन्होंने अपनी सहमति दी है।

रांची में एम्स व रिम्स-2 के लिए झारखंड ने केंद्र ने मांगी 2000 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने नई दिल्ली में आयोजित 16वीं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण परिषद की बैठक में केंद्र सरकार के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उन्होंने रांची में एम्स की स्थापना, रिम्स-2 परियोजना के लिए 2000 करोड़ की केंद्रीय सहायता, नए मेडिकल कॉलेजों की मंजूरी और स्वास्थ्य अवसंरचना के विस्तार की जोरदार पैरवी की।

डॉ. इरफान ने कहा कि झारखंड में फिलहाल केवल देवघर में एम्स है, जो राजधानी रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर है। ऐसे में गंभीर मरीजों को समय पर सुपर स्पेशियलिटी इलाज नहीं मिल पाता। उन्होंने केंद्र से रांची में एम्स स्थापित करने की मांग की। मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार 4100 करोड़ की लागत से रिम्स-2 परियोजना पर काम कर रही है, जिसके लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक से ऋण लेने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने केंद्र से 2000 करोड़ की वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। आयुष, मातृ-शिशु स्वास्थ्य और कैंसर पर भी जोर : उन्होंने झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की शीघ्र स्वीकृति, सभी सदर अस्पतालों में आईसीयू, सीसीयू और एचडीयू की स्थापना तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ममता वाहन उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। आशा कार्यकर्ताओं के मानदेय भुगतान में केंद्र से सहयोग का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना राज्य की प्राथमिकता है। इसके अलावा कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या का उल्लेख करते हुए आधुनिक मशीनों और अतिरिक्त वित्तीय सहायता की भी मांग की। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने चतरा, गढ़वा, गोड्डा, गुमला, पाकुड़, रामगढ़, सिमडेगा और साहिबगंज समेत अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की मांग की। साथ ही राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों को 100 से बढ़ाकर 200 तथा पीजी सीटों को 250 तक करने का प्रस्ताव रखा, ताकि विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी दूर हो सके।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

	7	5		9				6
	2	3		8			4	
8					3			1
5			7		2			
	4		8		6		2	
			9		1			3
9			4					7
	6			7		5	8	
7				1		3	9	

पिछले अंक का उत्तर

2	3	7	9	8	5	6	4	1
8	6	1	2	7	4	3	5	9
5	4	9	3	1	6	8	7	2
7	8	6	4	3	2	1	9	5
1	9	4	8	5	7	2	6	3
3	5	2	6	9	1	4	8	7
4	7	5	1	6	3	9	2	8
9	2	3	7	4	8	5	1	6
6	1	8	5	2	9	7	3	4

चौखट पर हमारी तुम्हारी
आने की आहट के इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास आए हैं।।
खूयालों से नहीं जाते निकाले चर्चे समायत के,
कि गिरते संभलते हम खुद ही खुद में हारे पास आए हैं।।

बिहार-बंगाल के अंतिम SIR से भी हो सकेगी वोटरों की मैपिंग

रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया मंगलवार (30 जून) से शुरू होने जा रही है। इस अभियान के तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को दो इन्यूमरेशन फॉर्म (गणना पत्र) देंगे और उनका भौतिक सत्यापन करेंगे। इस पूरे महाअभियान में करीब 60 हजार सरकारी कर्मियों को शामिल किया गया है।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं की पहले से मैपिंग हो चुकी है, उन्हें फॉर्म भरते समय किसी भी प्रकार का अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी।

मैपिंग का आधार: जिन मतदाताओं की मैपिंग नहीं हुई है, वे बिहार या पश्चिम बंगाल में हुए अंतिम एसआईआर के रिकॉर्ड को आधार बनाकर अपनी मैपिंग करा सकते हैं। झारखंड में रहने वाले अन्य राज्यों के मतदाता भी अपने राज्य में हुए अंतिम एसआईआर के वर्ष को आधार बना सकेंगे।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित: हरमनप्रीत को कप्तान, मंधाना को उपकप्तान बनाया; यास्तिका की जगह कमलिनी को मौका

मुंबई। अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया गया है। सिलेक्टर्स ने हरमनप्रीत कौर को कप्तान और स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया है।

BCCI की सीनियर चयन समिति ने विकेटकीपर यास्तिका भाटिया की जगह जी. कमलिनी को मौका दिया है। शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा जैसे सीनियर्स पर भरोसा जताया है।

यास्तिका भाटिया को ड्रॉप किया, कमलिनी को चांस

खराब फॉर्म से जूझ रही विकेटकीपर यास्तिका भाटिया को टीम से ड्रॉप कर दिया गया है। उनकी जगह WPL में मुंबई इंडियंस से खेलने वाली 17 साल युवा विकेटकीपर जी. कमलिनी को मौका दिया गया है। यास्तिका वर्ल्ड कप के दौरान मिले मौकों का वे फायदा नहीं उठा सकीं। उन्होंने 4 मैचों की 3 पारियों में 13.66 की औसत और 117.14 के स्ट्राइक रेट से केवल 41 रन बनाए।

श्रेयंका पाटिल फिट, प्रेमा को मौका नहीं

स्पिन ऑलराउंडर श्रेयंका पाटिल को फिटनेस क्लीयरेंस मिलने के बाद टीम में जगह दी गई है। वे टी-20 वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के खिलाफ टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई थीं। उनकी जगह वर्ल्ड कप टीम में शामिल प्रेमा रावत को इस बार मौका नहीं मिला। पेस अटैक की जिम्मेदारी रेणुका सिंह और अरुंधति रेड्डी संभालेंगी, जबकि स्पिन विभाग में राधा यादव और श्रेयंका पाटिल मुख्य चेहरा होंगी।

एशियन गेम्स टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे मुकाबले

एशियन गेम्स में क्रिकेट इवेंट टी20 फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। ICC रैंकिंग में टॉप टीमों में शामिल होने के कारण भारतीय महिला टीम को सीधे क्वार्टर फाइनल या नॉकआउट स्टेज में एंट्री मिलने की उम्मीद है।

पिछली बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम का मुख्य मुकाबला पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी एशियाई टीमों से होने की उम्मीद है। मुख्य कोच और मैनेजमेंट खिलाड़ियों के वर्कलोड और फिटनेस पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत का स्क्वॉड

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्री चरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

बिजनेस न्यूज

सेंसेक्स में 100 अंकों की गिरावट, IT और ऑटो शेयरों में बिकवाली; निफ्टी 23,900 के करीब

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार, 30 जून को शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का माहौल देखने को मिला। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स करीब 100 अंकों की कमजोरी के साथ 76,650 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जबकि निफ्टी भी लगभग 50 अंक फिसलकर 23,900 के आसपास पहुंच गया। बाजार में सबसे अधिक दबाव आईटी और ऑटो सेक्टर के शेयरों पर देखने को मिला, जहां निवेशकों ने मुनाफावसूली को प्राथमिकता दी।

वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई सूचकांक 649 अंकों की बढ़त के साथ 70,117 के स्तर पर पहुंचा, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी भी 52 अंक चढ़कर 8,474 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 242 अंकों की गिरावट के साथ 22,785 पर आ गया, जिससे निवेशकों के बीच सतर्कता बनी रही।

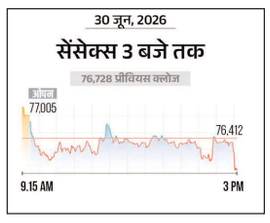

अमेरिकी बाजारों की बात करें तो वहां पिछले कारोबारी सत्र में अच्छी तेजी देखने को मिली थी। डाउ जोन्स 307 अंक बढ़कर 52,183 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक में 523 अंकों की जोरदार बढ़त दर्ज की गई। एसएंडपी 500 इंडेक्स भी 86 अंक चढ़कर 7,440 के स्तर पर बंद हुआ था, जिसने वैश्विक निवेशकों का भरोसा मजबूत किया।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली भी बाजार पर दबाव बना रही है। पिछले सात कारोबारी सत्रों में एफआईआई ने कुल 2,810 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इसी अवधि में 12,187 करोड़ रुपए की खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया है।

चांदी 3,690 बढ़कर 2.24 लाख पर पहुंची: 10 ग्राम सोने की कीमत 1,039 गिरकर 1.40 लाख पर आई, कैरेट के हिसाब से देखें दाम

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 30 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,039 रुपए गिरकर 1.40 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.41 लाख पर था। वहीं 1 किलो चांदी आज 3,690 रुपए बढ़कर 2.24 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2.20 लाख रुपए पर थी।

सोना इस साल 7 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 7 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.40 लाख रुपए पर है।

वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.24 लाख रुपए पर है। यानी इसकी कीमत 6 हजार रुपए कम हुई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- 4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

जर्मनी फुटबॉल वर्ल्डकप से बाहर : पैराग्वे और मोरक्को पेनल्टी शूटआउट में जीते; मार्टिनेली के गोल से ब्राजील अंतिम-16 में पहुंचा

फुटबॉल वर्ल्ड कप में मंगलवार को बड़ा उलटफेर हुआ। पैराग्वे ने चार बार की वर्ल्ड चैंपियन जर्मनी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर बाहर कर दिया। जर्मनी टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार पेनल्टी में हारी है।

इससे पहले 5 बार की चैंपियन ब्राजील ने रोमांचक मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। यह जीत 1958 में स्वीडन में जीते उसके पहले वर्ल्ड कप की सालगिरह के दिन आई। टीम 20वीं बार राउंड ऑफ-16 में पहुंची है।

एक अन्य मुकाबले में मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया। ब्राजील अब राउंड ऑफ-16 में आइवरी कोस्ट या नॉर्वे से भिड़ेगा, जबकि पैराग्वे का मुकाबला फ्रांस और स्वीडन के विजेता से होगा। मोरक्को का मैच 4 जुलाई को कनाडा से होगा।

फॉक्सबोरो में फीफा रैंकिंग में 34वें नंबर की टीम पैराग्वे ने राउंड ऑफ 32 में 12वें नंबर की जर्मनी को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय और इंजरी टाइम के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर रहा। पेनल्टी शूटआउट में जोस कैनाले ने पहला सडन डेथ पेनल्टी गोल किया, जबकि गोलकीपर ऑरलैंडो गिल ने दो अहम बचाव कर टीम को जीत दिलाई। इधर, ह्यूस्टन में ब्राजील की जीत आखिरी क्षणों में आई। दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर उतरे गैब्रियल मार्टिनेली ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल कर मुकाबला खत्म होने से ठीक पहले टीम को जीत दिला दी। ब्राजील 20वीं बार राउंड ऑफ 16 में पहुंचा है।

पैराग्वे ने 42वें मिनट में बढ़त बनाई। मिगेल अल्मिरोन के पास पर मातियास गालार्सा ने क्रॉस किया, जिस पर जूलियो एनसिसो ने हेडर से गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। जर्मनी ने 52वें मिनट में वापसी की। फ्लोरियन विर्ट्ज के क्रॉस पर काई हैवर्ट्ज ने हेडर से बराबरी का गोल किया।

अतिरिक्त समय के 102वें मिनट में जोनाथन ताह ने कॉर्नर पर गोल किया, लेकिन वीडियो रिव्यू में वाल्देमार एंटोन द्वारा गोलकीपर ऑरलैंडो गिल को धक्का देने की पुष्टि होने पर गोल रद्द कर दिया गया। जर्मनी ने पहले हाफ में 78% गेंद पर कब्जा रखा, लेकिन पैराग्वे की 4-5-1 रक्षात्मक रणनीति नहीं तोड़ सका। ग्रुप स्टेज में 10 गोल करने के बावजूद जर्मन टीम नॉकआउट में संघर्ष करती दिखी।

दीप्ति सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला क्रिकेटर: हरमनप्रीत की विमेंस टी-20 वर्ल्डकप में फास्टेस्ट इंडियन फिफ्टी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराकर विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया। लॉर्ड्स में स्पिनर दीप्ति शर्मा महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भारत की ओर से वर्ल्ड कप की सबसे तेज फिफ्टी लगाई। स्टेडियम में विराट कोहली व अनुष्का शर्मा भारतीय टीम का हौसला बढ़ाते नजर आए। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी पूरा किया। टीम ने 171 रन का टारगेट 19 ओवर में हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया ने 171 रन का टारगेट हासिल कर विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे बड़ा रन चेज किया। इससे पहले सबसे बड़ा चेज 164 रन का था। यह इंग्लैंड ने 2009 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किया था। वर्ल्ड कप में अब तक 150+ रन के 8 सफल चेज में से 6 इसी एडीशन में देखने को मिले हैं। वहीं, यह ऑस्ट्रेलिया का महिला टी-20 इंटरनेशनल में दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी रहा।

न्यूजीलैंड ने 27 साल बाद इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीती: 160 रन से हराया; स्टोक्स के आखिरी मैच में इंग्लैंड 212 रन पर सिमटा

नॉटिंघम। बेन स्टोक्स अपने आखिरी इंटरनेशनल मैच को जीत के साथ यादगार बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 160 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली। 373 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की दूसरी पारी 212 रन पर सिमट गई।

इसी के साथ कीवी टीम ने 27 साल बाद इंग्लैंड में कोई सीरीज जीती। टीम ने इससे पहले 1999 यह कारनामा किया था। यह न्यूजीलैंड की इंग्लैंड में 20 टेस्ट सीरीज में सिर्फ चौथी जीत है। खास बात यह रही कि टीम ने पहला टेस्ट हारने के बाद लगातार दो मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम की। ऐसा उसने इंग्लैंड में दूसरी बार किया है। दूसरी ओर इंग्लैंड को 2012 के बाद पहली बार घर में तीन या उससे ज्यादा टेस्ट की सीरीज गंवानी पड़ी।

मैच का सबसे बड़ा पल बेन स्टोक्स का संन्यास था। 35 साल के ऑलराउंडर ने चौथे दिन संन्यास की घोषणा की थी। टारगेट का पीछा करते हुए स्टोक्स ने पनिंग की और सिर्फ 20 गेंदों में 30 रन बनाकर तेज शुरुआत दी, लेकिन बड़ी पारी नहीं खेल सके।

पांचवें दिन दो रनआउट ने बदला मुकाबला

इंग्लैंड ने अंतिम दिन 103/4 से खेलना शुरू किया, लेकिन सुबह के पहले घंटे में ही मैच हाथ से निकल गया। पहले नाथन स्मिथ ने एमिलियो गे (10) को आउट किया। इसके बाद हेनरी निकोल्स के शानदार डायरेक्ट हिट पर जो रूट (18) रन आउट हो गए।

इसके बाद न्यूजीलैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा। मिचेल सैंटनर ने गस एटकिंसन को LBW किया, जबकि दूसरे डायरेक्ट हिट पर जोश टंग रन आउट हुए। आखिर में सैंटनर ने जेमी स्मिथ (60) को आउट कर इंग्लैंड की पारी 212 रन पर समेट दी।

टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने 60 रन की पारी खेली। उन्होंने गस एटकिंसन के साथ 75 रन जोड़कर कुछ देर मुकाबला रोके रखा, लेकिन दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे। जेमी के आउट होते ही इंग्लैंड की उम्मीदें भी खत्म हो गईं।

विंबलडन के पहले दिन डिफेंडिंग चैंपियन सिनर हारने से बचे : 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी की; 39 साल के जोकोविच की जीत से शुरुआत

लंदन के ऑल इंग्लैंड क्लब में टेनिस के सबसे पुराने टूर्नामेंट विंबलडन की शुरुआत हो गई है। पहले दिन सोमवार को डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर 26 साल के सर्बियाई खिलाड़ी मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ 1-2 से पिछड़ने के बाद लगातार दो सेट जीतकर मुकाबला जीत गए।

चौथे सेट के दौरान सिनर के जूते से खून बाहर आने लगा था। मैच के बाद उन्होंने बताया कि उनके पैर के अंगूठे का नाखून उखड़ गया था, लेकिन वे दर्द के बावजूद खेलते रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ेगा। लेकिन, इटैलियन स्टार ने हार नहीं मानी और जीत हासिल की।

जोकोविच ने चीन के खिलाड़ी को हराया

25वें ग्रैंड स्लैम खिताब के साथ नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश में जुटे सर्बिया के 39 साल के नोवाक जोकोविच ने चीन के वू यिबिंग को हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। हालांकि, जीत के लिए उन्हें चार सेट तक खेलना पड़ा।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से हारने के बाद पहली बार कोर्ट पर उतरे थे। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'आज का मैच मेरे लिए वाकई चुनौतीपूर्ण था।

मैं जीत से खुश हूं, लेकिन पूरी तरह तरोताजा महसूस नहीं कर रहा हूं। सच कहूं तो कोर्ट पर ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि यह टूर्नामेंट का पहला ही दौर है।

सिनर बोले- पहला मैच खेलना सम्मान

साढ़े तीन घंटे चले इस मुकाबले में सिनर ने केकमानोविच को 4-6, 6-3, 6-7, 6-2, 6-3 से हरा दिया। जीत के बाद सिनर ने कहा- 'सेंटर कोर्ट पर पहला मैच खेलना सम्मान की बात है। शुरुआत काफी नर्वस करने वाली थी, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने खुद को संभाला और मैच जीत लिया।

नाओमी ओसाका का 'किमोनो' लुक

चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन जापान की नाओमी ओसाका ने मैच जीतने के साथ-साथ फैंस का दिल भी जीता। विंबलडन के सख्त नियम (सिर्फ सफेद कपड़े पहनने की अनुमति) के बीच ओसाका ने पारंपरिक जापानी पोशाक 'किमोनो' स्टाइल की सफेद ड्रेस पहनकर कोर्ट पहुंचीं। कोर्ट की ओर जाते समय उनके इस फैशन स्टेटमेंट ने लोगों का ध्यान खींचा।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री ने राष्ट्रीय सम्मेलन में की छत्तीसगढ़ के मटेरियल बैंक मॉडल की सराहना

रायपुर। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की अभिनव पहल मटेरियल बैंक मॉडल को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत विकसित इस मॉडल की प्रशंसा करते हुए इसे ग्रामीण आवास निर्माण को गति देने वाला प्रभावी नवाचार बताया। सम्मेलन में छत्तीसगढ़

का प्रतिनिधित्व उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री विजय शर्मा ने किया।

छत्तीसगढ़ में विकसित मटेरियल बैंक मॉडल का संचालन स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 'डीलर दीदी' के रूप में किया जा रहा है। इसके माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के हितग्राहियों को निर्माण सामग्री एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आवास निर्माण कार्य अधिक सुगम, तेज और किफायती हुआ है।

इस पहल से स्व सहायता समूह की महिलाओं की आय में वृद्धि हुई है और 10,000 से अधिक दीदियां लखपति दीदी बनने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। इस मॉडल को महिला सशक्तिकरण, आजीविका संवर्धन और ग्रामीण आवास निर्माण के क्षेत्र में एक प्रभावी उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचार और प्रभावी क्रियान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार और आजीविका से जोड़ने के लिए आरसेटी तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में आरसेटी के माध्यम से पिछले वित्तीय वर्ष में देश में सर्वाधिक राज मिस्त्री प्रशिक्षण दिया गया है ।उन्होंने इन प्रयासों को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायक बताया।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण विकास, कौशल उन्नयन, स्वरोजगार संवर्धन और गरीब परिवारों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर मिली यह सराहना प्रदेश के जनकल्याणकारी कार्यों, नवाचारों और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है तथा इससे राज्य को ग्रामीण विकास के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

नैनो उर्वरक- छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी में आई नई क्रांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की समृद्धि राज्य के विकास से सीधे जुड़ी हुई है। बदलते समय के साथ खेती में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है, जिनमें नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरा है। कम लागत, अधिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण जैसे गुणों के कारण नैनो उर्वरक आज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा हैं।

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं। इसके कारण पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर उपलब्ध हो जाते हैं और फसलों का विकास बेहतर तरीके से होता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी मात्रा कम लगती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

छत्तीसगढ़ में धान, मक्का, चना, अरहर तथा सब्जी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में कई किसानों ने अनुभव किया है कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसल की पैदावार बेहतर होती है, पौधे अधिक हरे-भरे रहते हैं और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

नैनो उर्वरकों का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इनके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव कम पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं नैनो उर्वरक संतुलित पोषण प्रदान कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करते हैं। साथ ही जल स्रोतों में रासायनिक तत्वों के बहाव को भी कम करते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

परिवहन और भंडारण की दृष्टि से भी नैनो उर्वरक काफी सुविधाजनक हैं। पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की जगह छोटी बोतलों में उपलब्ध नैनो उर्वरक किसानों के लिए आसानी से ले जाने और उपयोग करने योग्य होते हैं। इससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

करेले की खेती ने बदली तकदीर, आधुनिक तकनीक से बढ़ी आमदनी

रायपुर। बदलते दौर में खेती अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि बेहतर आय का भरोसेमंद जरिया भी बन रही है। इसका उदाहरण महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा के ग्राम जुनवानी खुर्द के प्रगतिशील किसान ओमनारायण ध्रुव हैं, जिन्होंने उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक खेती अपनाकर अपनी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है।

करीब 2.32 हेक्टेयर सिंचित कृषि भूमि के मालिक ओमनारायण ध्रुव वर्षभर विभिन्न उद्यानिकी फसलों की खेती करते हैं। इससे उन्हें नियमित आय मिलती है और पारंपरिक खेती की तुलना में कहीं अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वर्ष 2025-26 में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए एक हेक्टेयर में करेला की खेती की। इसके लिए उन्हें 24 हजार रुपये का अनुदान मिला, वहीं आधा हेक्टेयर क्षेत्र में सपोर्ट सिस्टम स्थापित करने के लिए 5 हजार रुपये की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की गई।

ओमनारायण ने खेती में ड्रिप सिंचाई और आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग कर उत्पादन लागत पर नियंत्रण के साथ जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दी। आधुनिक तकनीकों का परिणाम यह रहा कि उन्हें प्रति एकड़ लगभग 12 टन करेला उत्पादन प्राप्त हुआ। औसतन 15 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से फसल बेचने के बाद सभी लागतों को घटाकर उन्हें करीब 96 हजार रुपये प्रति एकड़ का शुद्ध लाभ मिला।

ओमनारायण ध्रुव अपनी इस सफलता का श्रेय राष्ट्रीय बागवानी मिशन, उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और आधुनिक खेती की तकनीकों को देते हैं। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर आसपास के कई किसान भी अब सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों की खेती की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। इससे क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ रहा है और किसानों की आय के नए रास्ते खुल रहे हैं।

सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का महाअभियान बना रही है साय सरकारः केदार

सहकारिता आंदोलन के जनक पंडित वामनराव बलिराम लाखे को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर। सहकारिता मंत्रालय के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारिता सप्ताह के शुभारंभ आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, रायपुर में सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि लोगों को साथ लेकर विकास करने की एक मजबूत सोच है। सरकार का मुख्य लक्ष्य सहकारिता को एक जनआंदोलन बनाकर प्रत्येक ग्रामीण परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है।

सहकारिता आंदोलन को जनभागीदारी का महाअभियान बना रही है साय सरकार- केदार कश्यप

मंत्री कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के बाद, केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में सहकारिता क्षेत्र को एक नई और मजबूत पहचान मिली है। पिछले पांच वर्षों में सहकारिता के माध्यम से किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कई ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

राज्य सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार सहकारिता को गांव-गांव तक मजबूत बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। प्राथमिक कृषि साख समितियों को सशक्त बनाया जा रहा है, किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है तथा सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता और आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

मंत्री कश्यप ने कहा कि साथ मिलकर विकास ही सहकारिता का मूल मंत्र है और इसी भावना से आत्मनिर्भर भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण संभव होगा। उन्होंने सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों और कर्मचारियों से पूरी सेवा, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने का आग्रह किया, ताकि सहकारी व्यवस्था पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हो सके। उन्होंने आगे कहा कि यह सहकारिता सप्ताह केवल एक आयोजन नहीं है, बल्कि सहकारिता की जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का महाअभियान है। सप्ताहभर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को सहकारिता से जोड़ने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई गति देने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता आंदोलन के जनक पंडित वामनराव बलिराम लाखे की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर की।

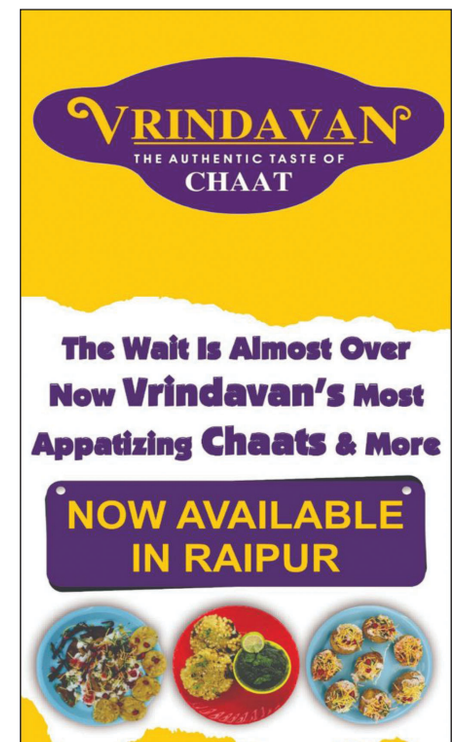

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684